पेज 08 में...
मंत्रिमंडल विस्तार के बाद...

साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 08 सितंबर से 14 सितंबर 2025
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 12 में...
उड़ता पंजाब रायपुर

वर्ष : 01 अंक : 27 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 07 जीएसटी 2.0 के मिलेंगे कई फायदे

यात्री बस या मालगाड़ी...

छत्तीसगढ़ के बड़े बस संचालक बेख़ौफ़

कर रहे अन्तर्राज्यीय माल परिवहन का धंधा

अवैध परिवहन से बन गए बड़े बस ऑपरेटर

आरटीओ, ट्रैफिक, सेल्स टैक्स, फ़ूड विभाग मौन

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

यात्री बसों में सफर करना खतरा मोल लेने जैसा हो गया है। बस वाले अपनी कमाई के लिए नियम विरूद्ध यात्रियों के साथ भारी भरकम माल ढो रहे हैं। इस अवैध परिवहन को रोक लगाने की जिम्मेदारी जिन पर हैं, वे रसूखदार ट्रांसपोर्टरों से रिश्तों और एहसान के तले दबे हुए हैं। यही वजह है कि इन यात्री बसों की जांच नहीं करते और न ही भारी सामान ढोने पर रोक लगा पा रहे हैं। गांजा, नशे की गोलियां, सोना-चांदी समेत कई गैरकानूनी माल परिवहन का सुरक्षित जरिया बन गई हैं यात्री बसें। तस्करी के अलावा भारी मात्रा में नकली पनीर भी रोज इन्हीं यात्री बसों से अन्य शहरों और राज्यों में बेरोकटोक पहुंच रहा है। बड़े बस मालिकों का यह अंतर्राजीय गोरख धंधा लंबे समय से बेखौफ चल रहा है। बस मालिकों के इशारे पर चल रहे इस धंधे में अगर कार्रवाई होती भी है तो वह छोटे कर्मचारियों और स्टाफ पर।

रोजाना करोड़ों की माल ढुलाई से बने करोड़पति

लगातार औचक जांच से खुलेगा गैरकानूनी परिवहन

कमाई मालिक की और पकडे जाने पर अपराध स्टाफ का

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर समेत राज्य के सभी बड़े शहरों में यात्री बसें अब मालगाड़ी बन गई हैं। एक-दो बसों के मालिक अवैध मॉल परिवहन करके 100-100 बसों के ट्रांसपोर्टर्स में शामिल हो गए हैं। राजनेता, परिवहन, ट्रेफिक और सेल्सटैक्स समेत फ़ूड डिपार्टमेंट के अफसरों से करीबी रिश्ते इनकी ढल बन गए हैं। इसलिए यदाकदा कभी मुंहदेखी कार्रवाई की रस्म अदायगी कोई विभाग करता भी है तो मास मालिक नहीं उसके छोटे कर्मचारी फंसते हैं। ऐसे कई बस ऑपरेटर हैं जिन्होंने यूपी-बिहार, झारखंड और एमपी समेत पंजाब से खली हाथ छत्तीसगढ़ आये थे और अब राज्य की ज्यादातर बस-ट्रांसपोर्ट सर्विस के कर्ता-धर्ता बन गए हैं। सरकार किसी की भी हो या परिवहन मंत्री कोई भी बने उन्हें आसानी से साधने में माहिर बड़े बस संचालक यात्री बसों की आड़ में अपना गोरखधंधा अन्य राज्यों तक फैला चुके हैं। यात्री बसों में क्षमता से ज्यादा अवैध माल परिवहन जान-माल और शासन को आर्थिक क्षति तक पहुंचा रहा है।

इन राज्यों की बसों में अवैध माल परिवहन

- रायपुर-ओडिशा
- रायपुर-उत्तर प्रदेश
- रायपुर-महाराष्ट्र
- रायपुर-झारखंड
- रायपुर-बिहार
- रायपुर-आंध्र प्रदेश
- रायपुर-मध्य प्रदेश

जिम्मेदार महकमा नहीं करता पड़ताल

परिवहन विभाग, ट्रैफिक पुलिस जानबूझकर ऐसे बस संचालकों पर कार्रवाई नहीं करती है। साथ ही खाद्य एवं औषधि विभाग और वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारी भी अवैध माल परिवहन करती इन बसों की जांच पड़ताल नहीं कर रहे। अगर बस अड्डों से रवानगी के बाद बीच रास्तों में सरप्राइज चेकिंग हो तो कई रहस्यों से पर्दा उठेगा।

व्हील बेस घोटाला

माल धुलाई और अवैध माल परिवहन यात्री बसों के जरिये करके मुनाफा कमा रहे बस मालिकों का इतना करके भी मन नहीं भरा है। इसलिए यात्री बसों में सीट के अलावा अवैध स्लीपर से कमाई कर रहे हैं जो भी परिवहन नियमों के व्हील बेस घोटाले जैसा गंभीर अपराध है।

यात्री बसें ओव्हरलोड

लंबी की यात्री बसों में पर्याप्त यात्री संख्या होती है। यात्रियों के साथ उनका लगेज भी परिवहन नियमों के दिशा-निर्देश के मुताबिक होना चाहिए। ताकि बस की क्षमता और रफ़्तार के साथ उसके सुरक्षा मानक प्रभावित नहीं हो। लेकिन लालच, मुनाफाखोरी और एक राज्य से दूसरे राज्यों में अवैध माल परिवहन से मोती कमाई के मद्देनजर बसों की छतों और यात्री बस के निचे गुप्त चेंबर में निर्धारित क्षमता से ज्यादा माल भरकर बस संचालक ले जा रहे हैं।

ज्यादातर स्टाफ भी बहारी राज्यों के

बड़े बस मालिकों के यहां चालक, परिचालक, खलासी, क्लीनर, पार्सल बुकिंग से लेकर ऑफिस स्टाफ तक लोकल को काम और बाहरी राज्यों के ज्यादा हैं। वजह साफ है यूपी, बिहार, एमपी और झारखंड से उन्हें मनचाहा भरोसेमंद मिल जाता है। अगर कभी मुसीबत में कोई मालिक पड़े तो उसका अपराध अपने सिर लेने में भी इनकी मदद मिल जाती है। ऐसा करने वाले को आर्थिक मदद, क़ानूनी मदद के अलावा अन्य सौगातों से नवाज़ दिया जाता है। पूर्व में भी टाइमिंग, बस संचालन को लेकर रायपुर बस ऑपरेटरों में खूनी संघर्ष के बाद से बड़े बस मालिकों की दादागिरी अब नेक्स्ट लेबल पर पहुँच गई है।

राज्य में नहीं है परिवहन नीति

छत्तीसगढ़ में फ़िलहाल खुद की कोई परिवहन नीति नहीं बनी है। इसका खामियाजा आर्थिक और राजस्व के तौर पर छत्तीसगढ़ को उठाना पड़ रहा है। चाहे वह बस परिचालन को लेकर हो या फिर व्हील बेस के खिलाफ स्लीपर कोच की अवैध वसूली हो। इसका लाभ बस ऑपरेटरों को और अन्य राज्यों में छत्तीसगढ़ की स्लीपर क्लास पर जुर्माना रोपित कर वो मालामाल हो रहे हैं।

मालिकों की जेब में नियम और विभाग

- समय पर परिचालन नहीं
- बसें कम परमिट ज्यादा
- ड्राइवर-कंडक्टर का ड्रेस कोड नहीं
- बस के फ्रंट, एंट्री गेट पर नहीं लिखी बस की डिटेल
- बस मालिक, ड्राइवर का नाम, नंबर भी नहीं
- स्पीड लिमिट, लगेज लिमिट भी तय नहीं
- बसों की चेसिस और बॉडी भी नियम विरुद्ध
- विभाग के बड़े बकायादारों पर अफसर मेहरबान
- यात्रियों की आड़ में बेजा लाभ बना कमाई का जरिया

महादेव घाट विसर्जन कुंड में 4900 प्रतिमाएं विसर्जित

10 पंडित-5 क्रेन-80 गोताखोरों की टीम लगी, प्रशासन की मनाही के बाद भी नदी में विसर्जन

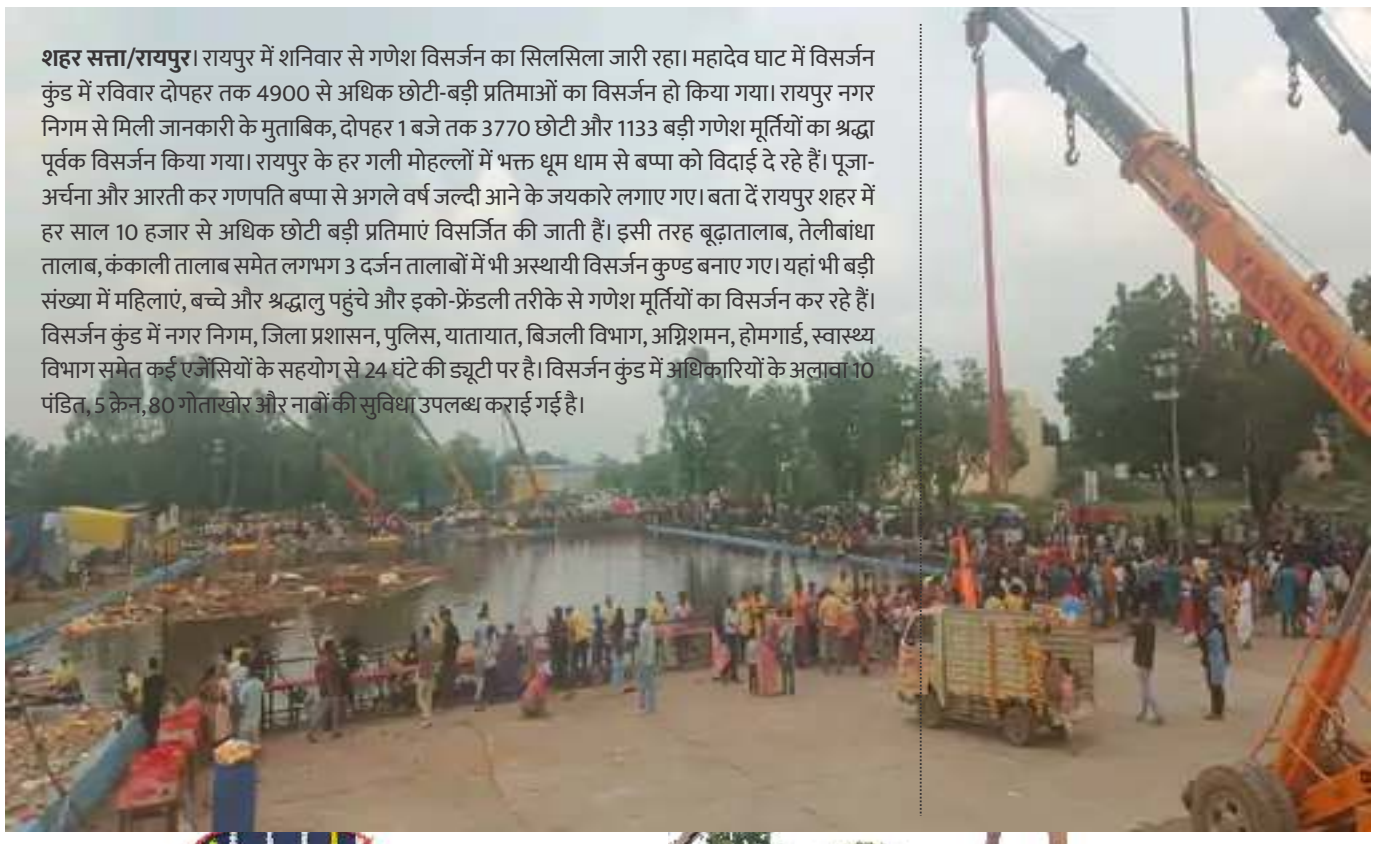

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में शनिवार से गणेश विसर्जन का सिलसिला जारी रहा। महादेव घाट में विसर्जन कुंड में रविवार दोपहर तक 4900 से अधिक छोटी-बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन हो किया गया। रायपुर नगर निगम से मिली जानकारी के मुताबिक, दोपहर 1 बजे तक 3770 छोटी और 1133 बड़ी गणेश मूर्तियों का श्रद्धा पूर्वक विसर्जन किया गया। रायपुर के हर गली मोहल्लों में भक्त धूम धाम से बप्पा को विदाई दे रहे हैं। पूजा-अर्चना और आरती कर गणपति बप्पा से अगले वर्ष जल्दी आने के जयकारे लगाए गए। बता दें रायपुर शहर में हर साल 10 हजार से अधिक छोटी बड़ी प्रतिमाएं विसर्जित की जाती हैं। इसी तरह बूढ़ातालाब, तेलीबांधा तालाब, कंकाली तालाब समेत लगभग 3 दर्जन तालाबों में भी अस्थायी विसर्जन कुण्ड बनाए गए। यहां भी बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और श्रद्धालु पहुंचे और इको-फ्रेंडली तरीके से गणेश मूर्तियों का विसर्जन कर रहे हैं। विसर्जन कुंड में नगर निगम, जिला प्रशासन, पुलिस, यातायात, बिजली विभाग, अग्निशमन, होमगार्ड, स्वास्थ्य विभाग समेत कई एजेंसियों के सहयोग से 24 घंटे की ड्यूटी पर है। विसर्जन कुंड में अधिकारियों के अलावा 10 पंडित, 5 क्रेन, 80 गोताखोर और नावों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

विसर्जन के दौरान तालाब में डूबा युवक, मौत

रायपुर में गणेश विसर्जन के दौरान एक युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। युवक अपने दोस्तों के साथ रात में गणेश विसर्जन करने आया था। इसी दौरान हादसा हो गया। फिलहाल सुबह युवक की लाश को एसडीआरएफ की टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाकर बाहर निकाला। मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है। खमतराई थाना प्रभारी सचिन सिंह के मुताबिक, वारदात शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 12 बजे की है। गणेश विसर्जन के दौरान राजस्थान निवासी राहुल राजपूत सिंह (21) गहरे पानी में चला गया।

DJ के सामने नाचते-नाचते बच्चे की मौत

बलरामपुर जिले में गणेश विसर्जन के दौरान डीजे पर नाचते समय एक नाबालिग बेहोश हो गया। उसे अस्पताल ले जाने पर मृत घोषित कर दिया गया। डीजे की तेज आवाज में हार्ट अटैक आने की आशंका है। वहीं, अस्पताल में डॉक्टर नहीं रहने और बदतमीजी करने का आरोप लगा लोगों ने हंगामा किया। मामला राजपुर थाना क्षेत्र का है।

धार्मिक सौहाद्र, मुस्लिम भी विसर्जन में शामिल

रायपुर के बुढ़ापारा में राउत नाचा की थीम पर ढोल-मंजीरे और पारंपरिक गीतों की गूंज के बीच गणपति बप्पा को विदाई दी। वहीं भिलाई में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान कलाकारों ने देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। तिरंगे झंडे के साथ देशभक्ति की थीम को जीवंत किया। मनेंद्रगढ़ में गणेश विसर्जन के मौके पर मनेन्द्रगढ़ में गणेश विसर्जन के मौके पर सांप्रदायिक एकता और भाईचारे की मिसाल देखने को मिली। मुस्लिम युवक ने गणेश रथ की रस्सी पकड़कर उसे खींचा। साथ ही हिंदू युवकों के साथ डांस भी किया।

28 जगह छापे के 3 दिन बाद ED का खुलासा

कृषि कारोबारियों के यहां 4 करोड़ कैश और 10 किलो चांदी भी मिली

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश में 350 करोड़ के डीएमएफ घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कृषि, खाद कारोबारियों और चार्टर्ड अकाउंटेंट के 28 ठिकानों से 4 करोड़ कैश, 10 किलो चांदी, प्रॉपर्टी के दस्तावेज और डिजिटल सबूत मिले हैं। ईडी ने यह जानकारी उसकी टीम की ओर से रायपुर, दुर्ग, भिलाई, राजिम, कोरबा समेत दर्जनभर शहरों में 3 सितंबर को की गई कार्रवाई के बाद शनिवार को दी। ज्यादातर कारोबारियों ने कोरबा के डीएमएफ फंड से कृषि उपकरण की सप्लाई की है। ईडी ने छापे के बाद दो दर्जन लोगों को समन जारी कर पूछताछ के लिए सुभाष स्टेडियम स्थित अपने दफ्तर बुलाया है। सोमवार से इस मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ होगी।

बता दें कि ईडी ने शंकर नगर में खाद कारोबारी विनय गर्ग, लॉ विस्टा में कारोबारी पवन पोद्दार, सतपाल छाबड़ा, राजिम में उगम राम कोठारी, भिलाई में शिव कुमार मोदी और दुर्ग में सीए आदित्य अग्रवाल समेत अन्य के यहां तलाशी ली थी। ईडी को रोहिणीपुरम इलाके में कारोबारी के ठिकानों से नोटों के बंडल मिले हैं। इसी तरह राजिम में भी मोटी रकम मिली है। छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से जारी की गई जानकारी के मुताबिक ED की रिपोर्ट के आधार पर EOW ने धारा 120 बी 420 के तहत केस दर्ज किया है। इस केस में यह तथ्य निकल कर सामने आया है कि डिस्ट्रिक्ट माइनिंग फंड कोरबा के फंड से अलग-अलग टेंडर आवंटन में बड़े पैमाने पर आर्थिक अनियमितताएं की गईं है।

ED ने 23.79 करोड़ की संपत्ति कुर्क

छत्तीसगढ़ में DMF घोटाला केस में ED ने पूर्व में 23.79 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति कुर्क है। कुर्क की गई ये संपत्ति DMF घोटाले में आरोपी निलंबित IAS रानू साहू, माया वॉरियर, मनोज कुमार द्विवेदी समेत 10 लोगों की है।

अफसरों का बंधा था 60% कमीशन

अधिकारियों को 60% कमीशन मिला है। पैसा वसूली के लिए अधिकारियों ने एक सिस्टम बनाया था। यह पैसा बिचौलिया और लाइनर के माध्यम से ऊपर तक पहुंचाया गया। इसमें राजनीति पार्टी के बड़े नेताओं तक पैसा गया है। ईडी उनकी भूमिका की जांच कर रही है।

कलेक्टर और कारोबारी जालसाज

कारोबारियों ने सरकार के साथ जालसाजी की है। कलेक्टर के साथ मिलकर मनमानी कीमत पर कृषि के अलग-अलग उपकरण की सप्लाई की। चैंप में दिए उपकरण की कीमत को सरकारी दर बता दिया। सरकार को 400 करोड़ रुपए तक नुकसान पहुंचाया है। 5 लाख की मशीन को 10 लाख रुपए में सप्लाई कर दी है। इसमें ईडी कलेक्टर के साथ बीज निगम के अध्यक्ष व अधिकारियों की भूमिका की जांच कर रही है।

20 माह में 160 ज्ञापन दिए उपेक्षा हुई इसलिए आंदोलन

एनएचएम संघ ने सरकार को ठहराया जिम्मेदार

शहर सत्ता/रायपुर। नेशनल हेल्थ मिशन के कर्मचारी 20 दिन से हड़ताल पर हैं। इस बीच राज्य सरकार द्वारा संघ के 29 पदाधिकारियों की बर्खास्तगी से नाराज एनएचएम के 16 हजार कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा देकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संघ ने शासन से तत्काल संवाद के माध्यम से हल निकालने की मांग की है।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष डा. अमित मिरी ने प्रेस कांफ्रेंस करके कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव के समय भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण का वादा किया था। प्रदेश में भाजपा की सरकार बने हुए 20 माह हो चुके हैं। इस बीच 160 से अधिक ज्ञापन छत्तीसगढ़ के मंत्रियों, सांसदों और विधायकों को दिया जा चुका है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। मिरी ने बताया कि सुनवाई नहीं हुई तो 2024 के मानसून सत्र के दौरान दो दिवसीय प्रदर्शन, 1 मई को विश्व मजदूर दिवस और इसी साल मानसून सत्र के दौरान 16 और 17 जुलाई को दो दिवसीय प्रदर्शन किया गया। राज्य के उच्चाधिकारियों को 17 जुलाई को ही बता दिया गया था कि 15 अगस्त तक ठोस कार्रवाई नहीं होने पर कर्मचारी आंदोलन पर जाएंगे। शासन की उपेक्षा के कारण ही कर्मचारी आंदोलन पर जाने को विवश हुए हैं। संघ ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के बयान का खंडन किया। मिरी ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री का यह कहना कि 10 सूत्री मांगों में से मुख्य मांग का निराकरण केंद्र सरकार की अनुमति से होगा, यह गलत है। संघ का कहना है कि स्वास्थ्य राज्य का मामला है। जिन पांच मांगों पर शासन द्वारा सहमति की बात कही गई हैं, संघ को उसपर भी आपत्ति है।

16000 NHM कर्मियों का जल-सत्याग्रह

छत्तीसगढ़ में 16 हजार से ज्यादा NHM संविदा कर्मचारी अब आर-पार की लड़ाई पर उतर आए हैं। 20 दिन से जारी हड़ताल के बाद कर्मचारियों ने सोमवार से नवा रायपुर में जल सत्याग्रह शुरू करने का ऐलान कर दिया है। संगठन का साफ कहना है कि अब सिर्फ आश्वासन नहीं, ठोस फैसले चाहिए। रायपुर जिला NHM संघ के संगठन मंत्री अमन दास ने बताया कि कर्मचारियों का गुस्सा अब चरम पर है। सरकार ने जल्द सुनवाई नहीं की तो विधानसभा का घेराव करेंगे।

रायपुर में देर शाम जोरदार बारिश, 21 जिलों में अलर्ट घोषित

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में रविवार देर शाम रायपुर, बिलासपुर और सरगुजा संभाग के जिले में अच्छी बारिश हुई। इन सबके बीच मौसम विभाग ने 21 जिलों में बिजली और तूफान के साथ तेजी बारिश की चेतावनी जारी की है, जबकि कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश से मानसून की विदाई 15 अक्टूबर के बाद ही शुरू होगी। यानी सितंबर के अंत और अक्टूबर की शुरुआत तक बारिश का दौर जारी रह सकता है। इस साल औसतन से अधिक बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक 6 सितंबर तक प्रदेश में मानसून का 86 प्रतिशत कोटा पूरा हो चुका है। सामान्य तौर पर औसत 1143.3 मिमी बारिश होती है, जबकि अब तक 977.9 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट : मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश और बिजली के साथ तूफान की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, कुछ इलाकों में तेज हवा के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना है। इनमें आकाशीय बिजली, अचानक तेज हवा (30-40 किमी/घंटा) और मध्यम बारिश की संभावना है।

साप्ताहिक शहरसत्ता

छत्तीसगढ़ में सड़कें बनी चुनावी मुद्दा

जनता का संघर्ष, सरकार की चुप्पी

छत्तीसगढ़ में सड़कों की बदहाली जनता के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। एक ओर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के बडेरा गांव के लोग आजादी के 76 साल बाद भी सड़क सुविधा से वंचित हैं और खुद श्रमदान से रास्ता बनाने को मजबूर हैं। दूसरी ओर, बस्तर की 'लाइफलाइन' कही जाने वाली नारायणपुर–ओरछा सड़क गड्ढों में तब्दील होकर दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। वहीं राजधानी रायपुर के भाटागांव में सड़कों की दुर्दशा को लेकर कांग्रेस ने अनोखा प्रदर्शन कर सरकार को घेरा। तीनों घटनाएं एक ही सवाल खड़ा करती हैं – क्या छत्तीसगढ़ की सड़कें जनता को राहत देंगी या परेशानियों का सबब बनी रहेंगी?

अबूझमाड़ की 'लाइफलाइन' अब 'डेंजर जोन'

नारायणपुर। जवानों की शहादत और संघर्ष से तैयार हुआ नारायणपुर–ओरछा मुख्य मार्ग आज बदहाली का शिकार है. स्थानीय लोग दुर्घटनाओं से त्रस्त हैं. ठेकेदारों की लापरवाही, विभागीय निगरानी में कमी और माइंस के प्रभाव ने से सड़क की हालत और खस्ताहाल होती जा रही है. खासकर बारिश में गड्ढे में भरा पानी खतरा और बढ़ा देता है. पहले 'लाइफलाइन' थी, अब लाइफ ही खतरे में: ये सड़क अबूझमाड़ के ब्लॉक मुख्यालय ओरछा को जिला मुख्यालय नारायणपुर से जोड़ती है. लंबाई लगभग 67 किलोमीटर है. जवानों ने लाल आतंक के बीच अपनी जान की बाजी लगाकर इस सड़क को बनवाया था. ये मार्ग कभी बस्तर के विकास की लाइफलाइन कहा जाता था. अब इस रोड की ही लाइफ खत्म हो रही. निर्माण की शुरुआत में ही सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठे थे. निर्माण के चंद महीनों बाद ही सड़क जर्जर होने लगी. फिर भी सिर्फ लीपापोती तक मामला सिमट गया. इसके बाद जब आमदई क्षेत्र में लौह अयस्क खनन और परिवहन शुरू हुआ और भारी भरकम ट्रकों की आवाजाही हुई तो बची-खुची सड़क भी खत्म हो गई।

76 साल से एमसीबी के बडेरा गांव में सड़क समस्या

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। सरकार और सिस्टम से आम जनता को काफी उम्मीदें होती है लेकिन जब यह उम्मीदें टूटती है तो आम आदमी कुछ भी कर गुजरने का जज्बा लिए मैदान में कूद जाता है. ऐसा ही है मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के बडेरा गांव की कहानी. इस गांव में आजादी के 70 साल बाद भी सड़क का निर्माण नहीं हुआ है. लोगों को गर्मी, बारिश और सर्दी में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है. यही वजह है कि अब यहां के ग्रामीणों ने खुद मेहनत और मजदूरी कर इस सड़क का निर्माण शुरू किया है. हर बार कीचड़ में तब्दील होती है सड़क: ईटीवी भारत की टीम यहां के स्थानीय लोगों के बीच पहुंचा और उनका दुख दर्द समझने की कोशिश की. लोगों ने बताया कि हम ग्रामीण हर वर्ष श्रमदान कर सड़क का निर्माण करते हैं, लेकिन बारिश के मौसम में कच्ची सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है. कई विकास कार्य रुके: स्थानीय लोगों के अनुसार, कई वर्षों से काम कर रहे हैं. जनहित से जुड़े सभी विकास कार्य अवरुद्ध हो गए. आवासीय क्षेत्र में विशेषकर सड़कों की स्थिति जर्जर हो गई।

भाटागांव की जर्जर सड़कों पर कांग्रेस का हल्ला बोल

रायपुर। राजधानी के भाटागांव क्षेत्र (वार्ड क्रमांक 61 – डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड) की सड़कों की हालत लंबे समय से खराब बनी हुई है। जगह-जगह गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। सड़क मरम्मत की मांग पूरी न होने पर शुक्रवार को कांग्रेस नेताओं ने स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने शीतला चौक से ओवरब्रिज तक लगभग डेढ़ किलोमीटर का मार्च निकाला। इस दौरान उन्होंने गड्ढों का प्रतीकात्मक नामकरण किया और नारेबाजी करते हुए सरकार को घेरा। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ये गड्ढे सरकार की नाकामी और जनता की पीड़ा का सबूत हैं। युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और रायपुर दक्षिण के विधायक आकाश शर्मा ने कहा कि जनता ने भरोसा कर भाजपा को सत्ता सौंपी थी, लेकिन बदले में उन्हें गड्ढों से भरी सड़कें और असुविधा मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का ट्रिपल इंजन मॉडल फेल साबित हुआ है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रशांत ठेंगड़ी और नवीन चंद्राकर ने कहा कि नगर निगम में भाजपा का नियंत्रण आने के बाद से सड़कों की स्थिति लगातार बिगड़ती गई है। रोज़ हादसे हो रहे हैं, लेकिन जनप्रतिनिधि मौन हैं।

35 वर्ष के लिए अपनी जमीन पट्टे पर देगा रायपुर रेल मंडल

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में रेलवे भूमि पर गुड्स शेड/साइडिंग के आसपास या अन्य रेलवे क्षेत्राधिकार की भूमि 35 वर्ष के लिए व्यावसायिक उपयोग हेतु पट्टे पर देगा जिससे रेल राजस्व में वृद्धि होगी। कार्गो संबंधी बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश के लिए संभावित ग्राहकों और उद्योगों से (E O I - Expression of interest) - रुचि की अभिव्यक्ति, जैसे गोदाम, भंडारण सुविधाएं, ग्राइंडिंग साइलो, टैंक, कन्वेयर बेल्ट, डिकैंटिंग सुविधाएं आदि। रेल/सड़क वजनघर, ट्रक पार्किंग, छंटाई, ग्रेडिंग, पैकेजिंग, लेबलिंग, असेंबलिंग, डिस-असेंबलिंग आदि या अन्य संबंधित कार्य किए जा सकते हैं। इस परियोजना की अवधि 35 वर्ष का कार्यकाल और पट्टा शुल्क: भूमि के बाजार मूल्य का 1.5% प्रति वर्ष, 6% की वार्षिक वृद्धि के साथ होगा। कुम्हारी, भिलाई, कुसुमकसा, गुदम मंदिर हसौद, बिल्हा, दाधापारा, अंतागढ़, तिल्दा नेवरा, भाटापारा सिलियरी, रायपुर, बालोद लखोली भानुप्रतापपुर, अभनपुर, राजिम हथबंद, एवं रावघाट मैं संचालित रेलवे गुड्स शेड्स के आसपास रेलवे की जमीनों का उपयोग किया जा सकता है। परियोजना/प्रस्ताव कार्यालय में 22.09.2025 को या उससे पहले शाम 5 बजे तक ईमेल पते - srdcm@r.railnet.gov.in पर या कार्यालय के पते पर भौतिक प्रति, सीनियर डीसीएम/रायपुर कार्यालय, डीआरएम कॉम्प्लेक्स, वाल्टेयर गेट के पास, आरवीएच कॉलोनी, रायपुर - 492008, छत्तीसगढ़ पर भेज सकते है । किसी भी जानकारी के लिए आप श्री नितीश खिलार मुख्य वाणिज्य निरीक्षक(फ्रेट) से फ़ोन नंबर 9752877977 पर संपर्क कर सकते हैं।

रमनलाल साहू के खेत में उगी 6 फीट लंबी लौकी और सवा तीन फीट की बरबट्टी

धमतरी के किसान ने जैविक खेती से किया कमाल

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के कुरूद ब्लॉक के गाड़ाडीह गांव के किसान रमनलाल साहू इन दिनों चर्चा का विषय बने हुए हैं। रमनलाल के खेत में 6 फीट लंबी लौकी और करीब सवा तीन फीट की बरबट्टी उगी है। आमतौर पर लौकी की लंबाई 1 से 2 फीट तक होती है, लेकिन उनके खेत में उगी लौकी ने सभी को हैरान कर दिया है। ग्रामीणों और आसपास के किसानों की भीड़ इन अनोखी सब्जियों को देखने खेतों में उमड़ रही है।

जैविक खेती से मिली सफलता

42 वर्षीय किसान रमनलाल साहू ने बताया कि वे पूरी तरह जैविक पद्धति से खेती करते हैं। खेतों में सिर्फ़ गाय के गोबर, हरी खाद और वर्मी कंपोस्ट का ही उपयोग किया जाता है। वे रासायनिक खाद और कीटनाशकों का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं करते। रमनलाल ने कहा कि साल 2017 में उनके पिता बीपी, शुगर और लकवे जैसी बीमारियों से पीड़ित हुए थे, तब डॉक्टरों ने खानपान को इसकी मुख्य वजह बताया। तभी उन्होंने जैविक खेती को अपनाने का निर्णय लिया।

खेतों में उग रहीं अनोखी फसलें

रमनलाल बताते हैं कि उनके खेतों में 30 किलो का कुम्हड़ा, एक फीट का करेला, दो फीट की गिलकी, एक फीट की भिंडी और 5 किलो का भाटा भी उगाया जा रहा है। वे कहते हैं कि जैविक खेती में समय और मेहनत अधिक लगती है, लेकिन इससे स्वास्थ्य सुरक्षित रहता है और मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहती है। जैविक खेती से उन्हें हर साल लगभग 4 लाख रुपये की आमदनी हो रही है। उनकी मांग है कि सरकार उन्हें गौठान उपलब्ध कराए ताकि वहां वर्मी कंपोस्ट तैयार कर अन्य किसानों को भी जैविक खेती के लिए प्रेरित किया जा सके।

वरिष्ठ पत्रकार आशीष ठाकुर का निधन, विस अध्यक्ष ने जताया शोक

रायपुर। वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और साहित्यकार ठाकुर आशीष सिंह का 6-7 सितंबर की रात 1.40 बजे निधन हो गया। वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारेलाल सिंह के पौत्र और इतिहासकार स्व. हरि ठाकुर के पुत्र थे। अंतिम यात्रा आज दोपहर 1 बजे रायपुर स्थित निवास सिन्हा भवन, कुशालपुर से महादेवघाट के लिए निकलेगी। आशीष सिंह के निधन पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने शोक जताया। उन्होंने कहा कि यह व्यक्तिगत क्षति है। पिछले वर्ष ही उनकी पुस्तक "रायपुर" का विमोचन उनके निवास पर हुआ था। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की। शहरसत्ता परिवार ने स्व. आशीष ठाकुर के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की है।

कैदियों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की पहल

सभी जेलों में योग और सुदर्शन क्रिया की शुरुआत

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश की सभी जेलों में कैदियों के लिए योग और सुदर्शन क्रिया की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य कैदियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना और जेलों को सिर्फ़ दंड का स्थान न बनाकर सुधार एवं पुनर्वास केंद्र के रूप में विकसित करना है।

योग और सुदर्शन क्रिया से सुधार की कोशिश

राज्य सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि जेलों में सुबह 7:30 बजे से 9:30 बजे तक कैदियों को योग और ध्यान कराया जा रहा है। इसके लिए आर्ट ऑफ़ लिविंग फाउंडेशन के प्रशिक्षकों की मदद ली गई है। वे कैदियों को योगासन, ध्यान और सुदर्शन क्रिया जैसी श्वास तकनीकें सिखा रहे हैं। सरकार का मानना है कि इन गतिविधियों से कैदियों की मानसिक और शारीरिक स्थिति बेहतर होगी तथा उनमें अनुशासन और आत्मविश्वास का विकास होगा।

नक्सल प्रभावित जिलों में सकारात्मक नतीजे

सरकार का दावा है कि बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जैसे नक्सल प्रभावित जिलों की जेलों में इस पहल से उल्लेखनीय बदलाव दिखाई दे रहे हैं। हिंसा और हथियारों की राह अपनाने वाले कई कैदी अब योग और ध्यान कर रहे हैं। इससे जेलों के वातावरण में भी शांति और सकारात्मकता आई है।

सीएम विष्णुदेव साय का बयान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, "हम चाहते हैं कि जेल से बाहर आने के बाद कैदी समाज पर बोझ न बनें, बल्कि राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। योग और सुदर्शन क्रिया उन्हें नया जीवन और सकारात्मक सोच देंगे।"

समाज तक पहुँच रहा संदेश

विशेषज्ञों का कहना है कि योग और ध्यान न केवल तनाव कम करते हैं बल्कि नींद की गुणवत्ता सुधारते हैं, आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और आक्रामक प्रवृत्तियों को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। इस पहल से यह संदेश भी समाज तक पहुँच रहा है कि हिंसा छोड़कर शांति और आत्म-सशक्तिकरण को अपनाया जा सकता है।

संपादकीय

सुकांत राजपूत

बुरा लगा...सॉरी

छत्तीसगढ़िया सियासत में इन दिनों दो बड़ी सियासी पार्टियों में वरिष्ठ लेकिन आराम पसंद नेताओं की एक टोलियों में परस्पर एक रूपता है। इन्हें सिर्फ बैठे-बिठाये टिकिट चाहिए और जीतकर आ जाएँ तो मंत्री पद। ऐसों के लिए एक बात कही जा सकती है कि.... "उसने कहे को सुना, लिखे को पढ़ा और तब संदेह किया। उसके संदेह का दायरा बड़ा होता गया।" पार्टी बैठकों, दम तोड़ते आराम पसंद नेताओं ने महाज्ञानी के बयानी सच को पा लिया। तभी तो हड़बड़ा कर सभी लेकर-धकर नेता सक्रीय हो गए हैं। कोई पार्टी की अनुशासन समिति की बैठक में मशगूल हो गया तो एक महल से निकलकर राजनांदगांव दौरा कर खुद को सूबे का दावेदार जताने में जुट गया है। लेकिन महाज्ञानी और प्रदेस की राजनीति को समझने वाले पंडित ने सच ही कहा था नेतृत्व बदलना चाहिए अगर जीतना है तो...।

सब जानते हैं कांग्रेस और गुटबाजी में चोली-दामन का रिश्ता रहा है। मध्यप्रदेश के दौर में भी गुटीय लड़ाई चलती रही और छत्तीसगढ़ बनने के बाद भी। ताजा मामला बड़े नेता रविंद्र चौबे के बयान का आया। चौबे ने कहा था कि अगला चुनाव भूपेश बघेल के नेतृत्व में होगा। इस पर पार्टी में तूफान मच गया। आरोप-प्रत्यारोपों के बीच चौबे राजीव भवन पहुंचे। पीसीसी चीफ दीपक बैज के साथ बंद कमरे में गिला-शिकवा दूर करने के बाद दोनों मीडिया के सामने आकर जो कहा, उसका निहितार्थ यह था कि दीपक बैज सर्वमान्य हैं...और मैंने जो कहा, उसे वापिस लेता हूं।

असल में, कांग्रेस में यह पहली बार हुआ कि रविंद्र चौबे जैसे नेता को अपने बयान पर यूटर्न लेना पड़ा। चौबे जब मध्यप्रदेश में मंत्री थे तब दीपक बैज की राजनीति में इंट्री नहीं हुई होगी। मगर अब दीपक पीसीसी के प्रमुख हैं और चौबे को उन्हें बयान को लेकर सफाई देनी पड़ी। लगता है, कांग्रेस में चीजें कुछ बदल रही हैं। वरना, पार्टी में नेतृत्व को लेकर बयानबाजियां पहले भी होती रही हैं, मगर एक दिग्गज नेता को इस तरह सफाई नहीं देनी पड़ी। छत्तीसगढ़िया इतना समझता है कि उसे राजा, राज महंत और छत्तीसगढ़िया किसान में से किसे चुनना है। मतदाता अगर यह नहीं समझता तो 15 साल की निर्बाध सत्ता को नहीं बदलता। फ़िलहाल एक छत्तीसगढ़िया किसान और उसका पूरा परिवार राजनितिक विद्वेष भोग रहा है। ऐसे में एकजुटता ही आपको काल्पनिक पक्षी फीनिक्स जैसी क्षमता और शक्ति प्रदान कर सकती है।

फेक न्यूज का वाहक न बने मीडिया

हरिनारायणचारी मिश्रा
पुलिस आयुक्त(भोपाल)

घटनाएं कई बार जैसी दिखती हैं वैसी नहीं होतीं। अक्सर उनकी पड़ताल करने कुछ अलग ही सच उजागर होता है। वस्तुनिष्ठता के बजाए भावनाओं के आधार पर लिखने से चीजें बिगड़ सकती हैं। तकनीक के कारण अपराध का तरीका बदला है, भौगोलिक सीमाएं भी टूट गयी हैं। ऐसे में सूचना के प्रवाह के विनियमित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि तर्कसंगत ढंग से घटना को न देखें तो जांच की दिशा बदल जाती है। ऐसे में लोगों के जागरूक करने में मीडिया की भूमिका बहुत महत्व की है। उन्होंने बताया की कई बार अपराध को ग्लैमराइज्ड करके दिखाया जाता है। इससे समाज में गलत चलन का खतरा पैदा होता है। देखा गया है कि आत्महत्या की खबरों को बढ़ा- चढ़ा कर पेश करने से आत्महत्याओं की संख्या बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि मीडिया रिपोर्टिंग की कसौटी है जनहित और राष्ट्रहित। उनका कहना था कि मीडिया की सक्रियता के चलते कई कानून बदले और कई कानूनों को और कड़ा बनाया गया। इसके साथ ही अनेक मामले मीडिया के दबाव में खुले और सामने आए। उन्होंने कहा कि लगातार गांवों से शहरों की तरफ पलायन से पुलिस पर दबाव बढ़ा है। पत्रकारिता के विद्यार्थियों पर दुहरा दवाब है कि वे अच्छे नागरिक भी बनें और अच्छे पत्रकार भी। राष्ट्रीय सुरक्षा के सवालों को रिपोर्ट करते समय हमें ध्यान रखना है कि क्या देना और क्या नहीं देना।

अपन देवता के कब पॉव परबोन..?

सुशील भोले, आदि धर्म जागृति संस्थान

संगी हो आज धरम अउ संस्कृति के नॉव म मैं इहाँ के लोगन ल आने-आने लोगन के पाछू भेड़िया धसान बरोबर अँखमूंदा किंजरत देखथौं, त हमर पुरखा संत कवि पवन दीवान जी के वो बात के खँचित सुरता आथे, जब उन काहँय- 'अरे पर के पाछू किंजरइया हो.. हम अपन देवता के कब पॉव परबोन.?'

संत कवि पवन दीवान जी जब वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. परदेशी राम जी वर्मा के संग मिल के 'माता कौशल्या गौरव अभियान' के मैदानी बुता चालू करिन, त एक बात ल वो मन हर मंच म कहँय- "बंगाल के मन अपन देवी-देवता धर के आइन, हम उँकरो पॉव परेन, उत्तर प्रदेश बिहार के मन अपन देवी-देवता ल धर के आइन, हम उंकरो पॉव परेन, गुजरात अउ पंजाब के मन अपन देवी-देवता धर के आइन, हम उँकरो पॉव परेन। ओडिशा, महाराष्ट्र अउ आंध्र के मन अपन देवता धर के आइन हम उँकरो पॉव परेन. बस चारों मुड़ा के देवी-देवता मन के पॉव परइ चलत हे। त मैं पूछथँव- अरे ददा हो, बस हम दूसरेच मन के देवी-देवता मन के पॉव परत रहिबोन, त अपन देवी-देवता मन के पॉव कब परबोन? एदे देख लेवौ उँकर मनके देवता के पॉव परई म हमर माथा खियागे हे, अउ ए परदेशिया मन एकरे मन के नॉव म इहाँ के जम्मो शासन-प्रशासन म छागे हें."

ए बात ह सोला आना सिरतोन आय संगी हो.. अउ अइसन दृश्य ले बॉचे खातिर ए जरूरी हावय के अब एकर खातिर मैदानी रूप म भीड़ना हे.

का हमूँ मन अपन इहाँ के मूल देवी-देवता मन के पूजा उपासना के विधि अउ उँकर गौरव गाथा के प्रचार-प्रसार ल दुनिया भर नइ बगरा सकन? तेमा दुनिया के लोगन, हमर इहाँ के पारंपरिक देवी-देवता, हमर पूजा विधि, हमर जीवन पद्धति ल जानँय अउ अपनावँय?

"आदि धर्म जागृति संस्थान" के नॉव ले हमन अभी जे उदिम चलाए के जोखा मढ़ाए हावन, अउ अपन सख भर जनजागरण के बुता घलो करतेच रहिथन, तेने ह असल म अपन मूल देवी-देवता मन के पॉव परे के ही उदिम आय। त आवव, आप सब जम्मो झन मिल के हमर अपन इहाँ के पारंपरिक देवी-देवता के, हमर अपन जुन्ना पूजा अउ उपासना विधि ले पॉव परन, उँकर अलख जगावन, हमर अपन भाखा- संस्कृति के, हमर इतिहास अउ गौरव के, हमर सम्पूर्ण अस्मिता अउ जीवन पद्धति के सोर ल पूरा दुनिया म बगरावन।

संगी हो एक बात ल तो गॉठ बॉध के जान लेवौ, के छत्तीसगढ़ आध्यात्मिक रूप ले अतका समृद्ध अउ पोठ हे, ते हमला कोनो भी एती-तेती आने देश-राज के न तो कोनो संत के जरूरत हे, न कोनो ग्रंथ के जरूरत हे अउ न ही कोनो देवता के। हमर इहाँ सब हे, जरूरत बस अतके हे के हम अपन मूल ल जानन समझन, कोनो भी दूसर के बताए भरमजाल ले बाहिर के आवन.. अपन पुरखौती देवी-देवता, पूजा विधि अउ जीवन पद्धति ल आत्मसात कर लेवन, तहाँ ले कोनो भी मनखे धार्मिक या सांस्कृतिक रूप ले न तो हमला अपन गुलामी के रद्दा म रेंगा सकय, न कोनो ह गुरुघंटाल के रूप म हमर मुड़ी म चघे के हिमाकत कर सकय।

जोहार छत्तीसगढ़.. जय मूल धर्म

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

-जे मनला छत्तीसगढ़ी संस्कृति परंपरा के रत्ती भर घलो जानबा नइए ते मन इहाँ पत्रकार अउ विशेषज्ञ बन के किंजरत हें जी भैरा.

-कुछ साहित्यकार मन के घलो इही हाल हे जी कोंदा.. वो दिन मैं देखत रेहेंव.. छत्तीसगढ़ी संस्कृति के चोला ओढ़े एक झन कविनुमा गवइया ह मित्र अउ मितान ल समकक्ष बतावत अपन ज्ञान के होशियारी देखावत रिहिसे.

-अइसने अधकचरा मन ही तो आजकाल चारों मुड़ा मटमटावत हें.. अभी देखना.. एक न्यूज पोर्टल एनपीजी के कॉलम 'तरकश' म पत्रकार संजय दीक्षित ह लिखे हे के इहाँ के तीजा परब ल बड़े मन नइ मानँय.. वइसे भी अभी करवाचौथ के दौर हे.. तेकर सेती अइसन परब मन म छुट्टी देवई ह बिरथा हे.

-अच्छा.. अइसे लिखे हे.. जइसे एक सोशलमीडिया म रील बनइया देवेश बजाय ह कहे रिहिसे के छत्तीसगढ़ी भाखा ह सिरिफ गरीब अउ पिछड़ा मन के भाखा आय.. अइसने ए पत्रकार ह तीजा परब के संबंध म कहे हे कहिदे.

-हव.. माने इहाँ तीजा जइसन पारंपरिक परब संस्कृति के नहीं भलुक करवाचौथ जइसन बाहरी संस्कृति ल मुड़ म लाद के किंजरे अउ बाहरी लोगन ल इहाँ धरम-संस्कृति के नॉव म मटमटाए बकबकाए के छूट मिल जाय.

बुद्धि को मांजना बुद्धिमानी

पंडित विजयशंकर मेहता

हम अपने बच्चों का नाम बहुत सोच-संभलकर रखते हैं। पहले सीधे-सादे नाम हुआ करते थे। अब जिसका भी नाम पूछो, उसका अर्थ भी जानना पड़ता है। लेकिन अपने बच्चों की परवरिश में पैसा, समय और परिवार की कीमत जरूर समझाइएगा। उनके नाम को त्याग और उत्साह से जोड़िए। ये प्रदर्शन का युग है। लोग अपने संकल्पों का भी प्रदर्शन करने लगते हैं और यहीं से दबाव में आ जाते हैं। हमें अपने बच्चों को सिखाना चाहिए कि संकल्प तो लें पर बिना शोर-शराबे के उसे पूरा करें। और जब वो ऐसा कर रहे होंगे तो सुख और दु:ख जीवन में आएंगे। इसकी तैयारी बहुत कम माता-पिता अपने बच्चों को कराते हैं। क्योंकि सुख भी दु:खों का मध्यांतर है। हम अपने बच्चों से कहें कि स्वाभिमान उतना ही रखें कि गरिमा बनी रहे। बुद्धि होने से कोई बुद्धिमान नहीं हो जाता। बुद्धि को मांजने से होता है। और बुद्धि को मांजने के लिए सांसारिक और आध्यात्मिक तरीके संयुक्त रूप से आजमाए जाएं। यह बात बच्चों को समझाने का समय आ गया है। सपने बड़े देखें। सूरज बनकर चमक न सकें तो कम से कम दीये तो बन ही जाएंगे। ये पंक्ति इस समय हम भारतीयों के जीवन के लिए बड़े काम की है। स्वदेशी की बात वर्षों से उठ रही है। लेकिन अब आवश्यक हो गई। और सारी दुनिया को हमारा देश बता भी सकेगा कि स्वदेशी के लिए हम क्या कर सकते हैं। हर व्यक्ति- चाहे वह नौकरी कर रहा हो या व्यापार- उसके

लिए देश सेवा का अवसर है। हम सभी कहीं न कहीं परिश्रम कर रहे हैं। जिसको देखो, वो दौड़धूप में लगा है। इतनी मशक्कत करनी पड़ रही है कि थकने का भी समय नहीं है। मेहनत और श्रम के अनेक रूप निकलकर आ गए हैं। पीड़ा के पर्जन्य में से सफलता का सूर्य हलका-हलका चमकता दिख रहा है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

अमेरिका-भारत के रिश्ते सुधरने की शुरुआत...

ट्रंप ने बढ़ाया पहला कदम, पीएम मोदी ने भी दी सधी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निजी दोस्ती और द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती को दोहराते हुए रिश्ते सुधारने की दिशा में पहला कदम उठाया है. यह कदम व्यापार समझौता और रूसी तेल के मुद्दे पर पैदा हुई दूरियों को पाटने की कोशिश है.

मोदी और ट्रंप का मित्रता का भरोसा

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के बयान का स्वागत किया, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि वे हमेशा मोदी के दोस्त रहेंगे और भारत-अमेरिका विशेष संबंध को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है. अब दोनों देशों के अधिकारी मिलकर ऐसा व्यापार समझौता तैयार करेंगे, जो दोनों के लिए फायदेमंद होगा.

विदेश मंत्री जयशंकर ने भी जताई रिश्तों की अहमियत

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के साथ रिश्तों को बहुत महत्व देते हैं. राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि वे भारत को चीन के हाथ नहीं जाने देते. उन्होंने कहा, "मैं मोदी जी के साथ अच्छे संबंध रखता हूं, हाल ही में हम प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए रोज गार्डन भी गए थे."

द्विपक्षीय संबंधों में सुधार

दोनों नेताओं के सकारात्मक संकेत देने के बाद उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका से भारत के खिलाफ कठोर बयानबाजी बंद होगी या कम हो जाएगी. संभावना जताई जा रही है कि दोनों नेता फोन पर बातचीत करेंगे और वरिष्ठ अधिकारियों को संबंध मजबूत करने का निर्देश देंगे.

पीएम मोदी का सोशल मीडिया पर संदेश

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से हुई टेलीफोन वार्ता के बाद X पर लिखा- "राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक मूल्यांकन की हम तहे दिल से सराहना करते हैं और उनका पूर्ण समर्थन करते हैं. भारत और अमेरिका के बीच एक अत्यंत सकारात्मक और दूरदर्शी व्यापक एवं वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है." केंद्र सरकार यह मान रही थी कि अमेरिका से नकारात्मक बयानबाजी का असर धीरे-धीरे कम होगा और ट्रंप भारत को चीन के करीब मानने से हटेंगे. भारत ने चीन के साथ सामान्य संबंधों को फिर से स्थापित किया था, साथ ही रूस के साथ संवाद भी जारी रखा. भारत यह भी मानता है कि अमेरिका ने यह स्पष्ट कर दिया था कि व्यापार विवाद केवल एक छोटी बाधा है और द्विपक्षीय संबंध सामान्य रूप से आगे बढ़ेंगे.

सुरक्षा मामलों में वार्ता

भारत ने उम्मीद जताई थी कि संबंध बेहतर होंगे, जब हाल ही में भारत का एक शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अमेरिका गया और वहां अमेरिका की शीर्ष खुफिया एवं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की. अमेरिका की तरफ से यह संदेश आया कि व्यापार विवाद केवल एक छोटी समस्या है.

पंजाब बाढ़ : 46 मौतें, 2000 गांव डूबे

चंडीगढ़। पंजाब में दशकों बाद आई सबसे भयावह बाढ़ ने जन-जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है. अब तक 46 लोगों की मौत हो चुकी है और 1.75 लाख हेक्टेयर से अधिक फसलें बर्बाद हो गई हैं. इस संकट से निपटने के लिए सरकार ने केंद्र से मदद की अपील की है. इन दिनों पूरा पंजाब भयावह बाढ़ का चपेट में है, चारों ओर पानी-पानी नजर आ रहा है. इस प्राकृतिक आपदा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जबकि 1.75 लाख हेक्टेयर में खड़ी फसल बर्बाद हो गई है और 23 जिलों के 1,996 गांव बाढ़ के पानी में पूरी तरह से डूब चुके हैं. इसी बीच जानकारी आ रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब के बढ़ा प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को पंजाब के बाढ़ प्रभावित जिले गुरदासपुर का दौरा करेंगे और स्थिति का जायजा लेंगे. साथ ही पीएम बाढ़ प्रभावित लोगों और किसानों से सीधे बातचीत करेंगे. बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जबकि 1.75 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर खड़ी फसलें पानी में डूब गई हैं. हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण पंजाब में बहने वाली नदियां रावी, सतलज, व्यास में उफान आ गया।

पीएम मोदी ने तैयार किया 15 साल का मेगा डिफेंस प्लान!

मिसाइल, स्टेल्थ ड्रोन, टैंकों से लेकर रोबोट करेंगे देश की सुरक्षा

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी और रोबोटिक्स इसमें बड़ी भूमिका निभा रहे हैं. पीएम मोदी इस बदलाव को बारीकी से समझ रहे हैं. रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-गाजा संघर्ष ने यह साफ कर दिया है कि भविष्य का युद्ध हाई-टेक्नोलॉजी से तय होगा. भारत अब उसी दिशा में कदम बढ़ा रहा है. अगले 15 सालों में भारतीय सेना को ऐसा कवच मिलेगा, जो धरती, आकाश, समंदर और अंतरिक्ष, जो हर जगह युद्ध के लिए तैयार होगा.

मोदी सरकार के विजन डॉक्यूमेंट के अनुसार भारतीय थल सेना को कई नई क्षमताएं मिलेंगी. इसके लिए आने वाले समय में 1800 टैंक को शामिल किया जाएगा. इसमें से 400 हल्के टैंक होंगे, जो पहाड़ी इलाकों में तैनात किए जाएंगे. वहीं 5000 टैंक माउंटेड एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलें और 700+ रोबोटिक काउंटर-IED सिस्टम भी सेना की सुरक्षा में तैनात किए जाएंगे. जोरावर टैंक चीन के Type 15 टैंकों का जवाब है. यह सिर्फ 25 टन वजनी है और आसानी से एयरलिफ्ट करके ऊंचे इलाकों में तैनात किया जा सकता है. सबसे खास यह AI से लैस है, जो खुद टारगेट पहचान सकता है और फायर पावर एडजस्ट कर सकता है.

वायुसेना-नौसेना का विस्तार

समुद्र में भारत की शक्ति को कई गुना बढ़ाने के लिए बड़े निवेश की योजना है. नया विमानवाहक पोत, EMALS (Electromagnetic Aircraft Launch System) से लैस न्यूक्लियर प्रोपल्शन वाले वॉरशिप समेत 10 एडवांस फ्रिगेट्स और 7 कॉर्वेट्स को जोड़ा जाएगा, 4 लैंडिंग डॉग प्लेटफॉर्म का भी निर्माण किया जाएगा. वर्तमान में भारत के पास INS विक्रमादित्य और INS विक्रांत हैं. भविष्य में और भी शक्तिशाली न्यूक्लियर कैरियर शामिल करने का लक्ष्य है. वायुसेना को अगले 15 सालों में एक हाई-टेक अपग्रेड मिलेगा. इसके लिए 75 छोटे उपग्रह (High Altitude), 150 स्टील्थ बमबर ड्रोन और सैकड़ों मिसाइलें शामिल की जाएंगी.

एआई और रोबोटिक्स

भारतीय सेना अब AI और रोबोटिक्स में भी निवेश कर रही है. बारूदी सुरंगें पहचानने और नष्ट करने के लिए दक्ष और म्यूल रोबोट्स को शामिल करने का प्लान है. जमीन से समंदर तक खतरों का पता लगाने के लिए लिडार और अर्थ-पेनेट्रेटिंग रडार वाले प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया जाएगा।

जापान के पीएम शिगेरु इशिबा ने दिया इस्तीफा

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने रविवार को इस्तीफा दे दिया, जब उन्होंने जुलाई में देश में हुए संसदीय चुनाव में पार्टी की ऐतिहासिक हार का सामना किया. इशिबा के इस कदम के पीछे उनकी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर से लगातार इस्तीफे की मांगें थीं, जिसमें उन्हें हार की जिम्मेदारी स्वीकार कर पद छोड़ने के लिए कहा जा रहा था. अक्टूबर में प्रधानमंत्री बने शिगेरु इशिबा ने एक महीने से अधिक समय तक अपनी पार्टी के दक्षिणपंथी विरोधियों की इस्तीफे की मांग को अनदेखा किया था. उन्होंने कहा था कि उनके पद से हटने से देश में राजनीतिक शून्य पैदा हो जाएगा. उन्होंने अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ और जापानी अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभाव के साथ-साथ बढ़ती कीमतों, चावल नीति सुधारों और क्षेत्र में बढ़ते तनाव का मुद्दा भी उठाया था.उनके पद छोड़ने का फैसला एलडीपी द्वारा समय से पहले नेतृत्व चुनाव कराने के फैसले से एक दिन पहले आया है।

मुंबई में बड़ा खतरा! फिर मिली ब्लास्ट की धमकी

मुंबई। मुंबई में बम ब्लास्ट की धमकियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. अभी हाल ही में नोएडा से एक ऐसा ही शख्स गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद एक बार फिर ऐसी ही नई धमकी मिली है. इस बार ये धमकी नायर अस्पताल और सहार एयरपोर्ट को मिली है. 6 सितंबर देर रात नायर अस्पताल और सहार एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले, जिससे अफरा-तफरी मच गई. नायर अस्पताल के डीन को रात करीब 11 बजे धमकी भरा मेल आया, जिसके बाद परिसर में दहशत फैल गई. वहीं एयरपोर्ट पर शौचालय में बम होने का दावा किया गया. मेल मिलते ही अस्पताल में सुरक्षा बढ़ा दी गई और पुलिस को सूचना दी गई. मौके पर जांच की गई लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई. वहीं इस घटना के बाद अस्पताल कर्मचारियों और मरीजों में कुछ समय के लिए भय का माहौल बन गया.

सहार एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच

एयरपोर्ट अथॉरिटी को भी धमकी भरा मेल मिला. मेल में दावा किया गया कि एयरपोर्ट शौचालय में बम रखा गया है. पुलिस और बम स्क्वॉड ने तुरंत तलाशी ली लेकिन कुछ भी नहीं मिला।

अमेरिका नहीं रहा पहली पसंद, भारतीय छात्रों को भा रही यूरोप और मिडिल ईस्ट की यूनिवर्सिटीज

नई दिल्ली। अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदनों में साल-दर-साल 13 प्रतिशत की गिरावट आई है, क्योंकि भारतीय छात्र जर्मनी जैसे गंतव्यों को पसंद कर रहे हैं, जहां 2024-25 में 32.6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई. एडटेक कंपनी अपग्रेड की ट्रांसनेशनल एजुकेशन (टीएनई) रिपोर्ट 2024-25 में कहा गया है कि अमेरिका अब भारतीय छात्रों के लिए स्वभाविक और सबसे पसंदीदा शैक्षणिक गंतव्य नहीं रह गया है. इसमें कहा गया है कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदनों में साल-दर-साल 13 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि जर्मनी जैसे यूरोपीय गंतव्यों (2022 के 13.2 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 32.6 प्रतिशत) और संयुक्त अरब अमीरात (जहां 42 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय छात्र भारतीय हैं) में काफी बढ़त देखी जा रही है.

अमेरिका में 60 प्रतिशत तक पहुंची दर

रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया तेजी से भारतीय छात्रों के लिए एक व्यावहारिक और सुलभ विदेश अध्ययन स्थल बनता जा रहा है, जहां वैश्विक परिसरों से डिग्री कार्यक्रम उपलब्ध हैं. इसमें कहा गया कि दुबई और कतर के एजुकेशन सिटी में जॉर्जटाउन, जॉन्स हॉपकिन्स, आरआईटी, कार्नेगी मेलॉन और वेइल कॉर्नेल सहित अमेरिकी विश्वविद्यालयों के सैटेलाइट परिसर अपने घरेलू संस्थानों के समान ही डिग्री प्रदान करते हैं.रिपोर्ट में कहा गया कि 2022 में अमेरिका (19 प्रतिशत) और कनाडा (18 प्रतिशत) भारतीय छात्रों के लिए शीर्ष गंतव्य थे. इसके अनुसार, 2023 तक अमेरिका में यह दर लगभग 60 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो कई कारकों के कारण 47 प्रतिशत पर आकर रूक गई. दो साल बाद परिदृश्य बदल गया, क्योंकि यह करियर के लिहाज से उपयुक्त था.

कनाडा में भी आवेदनों में कमी

ट्रांसनेशनल एजुकेशन (टीएनई) रिपोर्ट 2024-25, जनवरी 2024 से मई 2025 तक आयोजित एक लाख से अधिक उत्तरदाताओं के सर्वेक्षण पर आधारित है, जिनमें मुख्य रूप से भारतीय छात्र शामिल थे. रिपोर्ट में कहा गया कि कनाडा में भी आवेदनों में कमी आई है, जो 2022 के 18 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2025 में 9 प्रतिशत रह गई है।

एशियाई शेरों में होगी भिड़त

9 सितंबर से शुरू होगा एशिया कप

2025 एशिया कप के लिए भारतीय टीम- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती.

लीग स्टेज के मुकाबले

9 सितंबर: अफ़ग़ानिस्तान बनाम हांगकांग - रात 8 बजे - अबू धाबी
10 सितंबर: भारत बनाम यूएई - रात 8 बजे - दुबई
11 सितंबर: बांग्लादेश बनाम हांगकांग - रात 8 बजे - अबू धाबी
12 सितंबर: पाकिस्तान बनाम ओमान - रात 8 बजे - दुबई
13 सितंबर: बांग्लादेश बनाम श्रीलंका - रात 8 बजे - अबू धाबी
14 सितंबर: भारत बनाम पाकिस्तान - रात 8 बजे - दुबई
15 सितंबर: यूएई बनाम ओमान - शाम 5:30 बजे - अबू धाबी
15 सितंबर: श्रीलंका बनाम हांगकांग - रात 8 बजे - दुबई
16 सितंबर: बांग्लादेश बनाम अफ़ग़ानिस्तान - रात 8 बजे - अबू धाबी
17 सितंबर: पाकिस्तान बनाम यूएई - रात 8 बजे - दुबई
18 सितंबर: श्रीलंका बनाम अफ़ग़ानिस्तान - रात 8 बजे - अबू धाबी
19 सितंबर: भारत बनाम ओमान - रात 8 बजे - अबू धाबी

सुपर-4 राउंड के मुकाबले

20 सितंबर: B1 बनाम B2 – रात 8 बजे – दुबई
21 सितंबर: A1 बनाम A2 – रात 8 बजे – दुबई
23 सितंबर: A2 बनाम B1 – रात 8 बजे – अबू धाबी
24 सितंबर: A1 बनाम B2 – रात 8 बजे – दुबई
25 सितंबर: A2 बनाम B2 – रात 8 बजे – दुबई
26 सितंबर: A1 बनाम B1 – रात 8 बजे – दुबई

फाइनल: 28 सितंबर
रात 8 बजे, दुबई

धोनी और इरफान दोस्त या दुश्मन?

धोनी के पूर्व मैनेजर ने 'हुक्का विवाद' पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। एमएस धोनी के पूर्व मैनेजर ने धोनी और इरफान पठान के रिश्तों पर चुप्पी तोड़ी है. पिछले दिनों एक 5 साल पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था, जिसमें इरफान पठान ने कहा था कि उन्हें स्क्वाड में इसलिए नहीं चुना जाता था क्योंकि वो धोनी की 'हुक्का पार्टी' का हिस्सा नहीं बनते थे. इस मामले पर सोशल मीडिया यूजर्स ने धोनी को आड़े हाथों भी लिया, लेकिन धोनी के पूर्व मैनेजर ने हैरतअंगेज खुलासा कर दिया है.एमएस धोनी के पूर्व मैनेजर युद्धजीत दत्ता ने X पर उस बैट की तस्वीर शेयर की, जिसपर धोनी और पठान, दोनों ने साइन किए थे और साथ में 'विद लव' लिखा था. युद्धजीत ने लिखा, "एमएस धोनी और इरफान पठान की दोस्ती ऐसी चीज है, जिसे मुझे साक्षात देखने का सौभाग्य मिला. सालों पहले मैं धोनी और कुछ अन्य क्रिकेटरों को मैनेज कर रहा था. पेप्सी कंपनी के लिए एक शूट के दौरान मैं, माही और इरफान एक वैन में घूमने का आनंद ले रहे थे." वायरल वीडियो में इरफान पठान ने कहा था कि, "मुझे शौक नहीं है कि मैं किसी के कमरे में जाकर हुक्का सेट करूं. हर कोई जानता है और कभी-कभी इसके बारे में बात ना की जाए तो बेहतर है. एक क्रिकेटर का काम होता है कि वो मैदान में परफॉर्म करके दिखाए, मैं इसी पर ध्यान देता था." वहीं युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने तो यह तक दावा किया था कि एमएस धोनी साथी खिलाड़ियों के साथ बुरा बर्ताव किया करते थे. दूसरी ओर आकाश चोपड़ा का पक्ष उनसे अलग था, जिन्होंने कहा कि धोनी के मन में पठान के लिए कोई द्वेष नहीं था. आकाश ने यह भी कहा कि टीम इस आधार पर नहीं चुनी जाती हैं कि मैदान के बाहर क्या चीजें हो रही हैं.

श्रेयस को नहीं मिलेगी वनडे टीम की कमान?

नई दिल्ली। पिछले कई दिनों से भारतीय क्रिकेट टीम के वनडे कप्तान को लेकर अलग-अलग खबरें सामने आ रही हैं. कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि बीसीसीआई श्रेयस अय्यर को नया वनडे कप्तान घोषित कर सकती है. पर अब इसमें एक नया मोड़ आया है. ताजा रिपोर्ट में एक दूसरे खिलाड़ी को वनडे टीम की कमान सौंपने की जानकारी सामने आई है. बता दें कि अभी रोहित शर्मा वनडे टीम के कप्तान हैं. टी20 टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में है. वहीं टेस्ट टीम को शुभमन गिल लीड कर रहे हैं. अब ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि शुभमन गिल भारत के अगले वनडे कप्तान होंगे. कुछ रिपोर्ट्स में पहले दावा किया गया था कि श्रेयस अय्यर अगले वनडे कप्तान होंगे, लेकिन बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कंफर्म किया था कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है।

GST 2.0

क्या हुआ सस्ता, क्या महंगा और यह मिला फायदा

नई दिल्ली। सरकार ने देश के आम आदमी को प्री-दिवाली गिफ्ट दे दिया है. बुधवार को नई दिल्ली में हुई जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं. इसके तहत टैक्स स्लैब को कम किया गया, जिससे तमाम सामानों पर लगने वाले टैक्स का रेट कम हो जाएगा. नए रेट 22 सितंबर 2025 से लागू होंगे. नए जीएसटी सुधार के तहत 100 से ज्यादा चीजों के दाम घटने वाले हैं. इसमें जरूरी वस्तुओं, रोजमर्रा की चीजों, एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स और हेल्थ प्रोडक्ट्स पर टैक्स रेट में कमी की गई है. जीएसटी पर देशवासियो को जिसका इंतजार था, सरकार ने वो मुराद पूरी कर दी. दिवाली से पहले सरकार ने आम लोगों को बड़ा तोहफा दिया है. जीएसटी कम हो गया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को जीएसटी यानी वस्तु एवं सेवा कर की दरों में व्यापक कटौती की घोषणा की. जीएसटी में इस बदलाव के तहत अधिकतर वस्तुएं 5% और 18% के स्लैब में आ गई हैं. कई वस्तुओं पर अब 0% या शून्य कर लगेगा और कुछ को 40% 'सिन टैक्स यानी 'पाप कर' स्लैब में जोड़ दिया गया है. जीएसटी का नया स्लैब 22 सितंबर से लागू होगा. कई रोजमर्रा की घरेलू वस्तुओं पर जीएसटी में कटौती से आम आदमी और मध्यम वर्ग के लिए खुश होने की बड़ी वजह है. जीएसटी दरों में कटौती के बाद क्या सस्ता हुआ है? किन वस्तुओं पर अब अधिक टैक्स लगेगा और कौन सी वस्तुएं अब महंगी होंगी?

जीएसटी में बदलाव के बाद क्या-क्या सस्ता

दूध, पनीर, छेना
5 फीसदी से 0 फीसदी

बटर, खोआ, घी, चीज और अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स
12 फीसदी से 5 फीसदी

हेल्थ इश्योरेंस और जीवन बीमा (एलआईसी)
12 फीसदी से 0 फीसदी

खाखरा, चपाती या रोटी, ब्रेड
5 फीसदी से 0 फीसदी

रबड़, मैप, चार्ट और ग्लोब, पेंसिल, शार्पनर, पेस्टल, एक्सरसाइज बुक और नोटबुक
5 फीसदी से 0 फीसदी

सल्फ्यूरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड और अमोनिया सहित प्रमुख उर्वरक कच्चे माल
18 फीसदी से 5 फीसदी

नीम-आधारित कीटनाशक सहित जैव कीटनाशक
12 फीसदी से 5 फीसदी

33 जीवन रक्षक दवा- ओनासेमनोजेन अबेपार्वोवेक, एस्किमिनिब, मेपोलिज़ुमाब, पेगीलेटेड लिपोसोमल इरिनोटेकन, डाराटुमुमाब, डाराटुमुमैब उपचर्म, टेक्लिस्टामैब, अमिवंतामब, एलेक्टिनिब, रिस्डिप्लाम, ओबिनुटुज़ुमैब, पोलाटुज़ुमैब वेडोटिन, एंट्रेक्टिनिब, एटेजोलिज़ुमाब, स्पेसोलिमैब, वेलाग्लूसेरेज अल्फा, एगल्सिडेस अल्फा, रुरियोक्टोकॉग अल्फा पेगोल, इडुरसल्फेटेज, एल्ग्लूकोसिडेस अल्फा, लैरोनिडेस, ओलिपुडेस अल्फा, टेपोटिनिब, एवेलुमैब, एमिसिज़ुमाब, बेलुमोसुडिल, मिग्लस्टैट, वेलमनसे अल्फा, एलिरोक्यूमैब, एवोलोकुमाब, सिस्टामाइन बिटार्ट्रेट, सीआई-अवरोधक इंजेक्शन और इंक्लिसिरन
12 फीसदी से 0 फीसदी

15 हॉर्स पावर तक की क्षमता के निश्चित गति वाले डीजल इंजन, हैंड पंप, ड्रिप सिंचाई उपकरण और स्प्रिंकलर के लिए नोजल, मिट्टी तैयार करने के लिए कृषि और बागवानी मशीनरी, कटाई और थ्रेसिंग मशीनरी, कंपोस्टिंग मशीन और ट्रैक्टर (1800 सीसी से अधिक वाले सेमी-ट्रेलर के लिए ट्रैक्टर को छोड़कर).
12 फीसदी से 5 फीसदी

ट्रैक्टर के पिछले टायर और ट्यूब, ट्रैक्टरों के लिए 250 सीसी से अधिक सिलेंडर क्षमता वाले कृषि डीजल इंजन, ट्रैक्टर के लिए हाइड्रोलिक पंप और विभिन्न ट्रैक्टर कलपुर्जो
18 फीसदी से 5 फीसदी

350 सीसी तक की मोटरसाइकिलें और एयर कंडीशनर, डिशवॉशर और टीवी जैसे उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद
28 फीसदी से 18 फीसदी

जीएसटी में बदलाव के बाद क्या-क्या महंगा

कोल्ड ड्रिंक और ऐडेड शुगर आइटम
28 फीसदी से 40 फीसदी

नॉन अल्कोहलिक बेवरेज
28 फीसदी से 40 फीसदी

महंगी कार, तंबाकू और सिगरेट
28 फीसदी से 40 फीसदी

कैसीनो, रेस क्लब, या आईपीएल जैसे खेल आयोजनों में एंट्री
18 फीसदी से 40 फीसदी

किसी रेस क्लब में सट्टेबाजों को लाइसेंस देने के लिए सेवाएं, जुआ, घुड़दौड़, लॉटरी और ऑनलाइन मनी गेमिंग
28 फीसदी से 40 फीसदी

1,200 सीसी से अधिक और 4,000 मिमी से अधिक लंबी सभी वाहनों के साथ-साथ 350 सीसी से अधिक की मोटरसाइकिल और रेसिंग कार पर
40 प्रतिशत शुल्क लगाया

रिवॉल्वर और पिस्तौल
28 फीसदी से 40 फीसदी

पान मसाला, सिगरेट, गुटखा, चबाने वाला तंबाकू, जर्दा, एडेड शुगर, कार्बोनेटेड ड्रिंग्स, पर्सनल यूज वाले एयरक्राफ्ट, लग्जरी कार और फास्ट फूड
40 फीसदी

साप्ताहिक शहर सत्ता

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद 9 सितंबर को पहली कैबिनेट बैठक

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंगलवार यानी 9 सितंबर दोपहर 3:30 बजे मंत्रालय (महानदी भवन) नवा रायपुर में राज्य मंत्री परिषद (कैबिनेट) की बैठक आयोजित होगी। यह बैठक इसलिए खास मानी जा रही है, क्योंकि मंत्रिमंडल विस्तार के बाद साय कैबिनेट की यह पहली बैठक होगी।

बैठक में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत-पुनर्वास पैकेज, राज्य के विकास कार्यों की प्राथमिकताएं और आने वाले विधानसभा सत्र से जुड़ी रणनीतियों पर चर्चा हो सकती है। साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और औद्योगिक निवेश जैसे क्षेत्रों में नई योजनाओं को मंजूरी मिलने की संभावना भी जताई जा रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों की नजरें भी इस बैठक पर टिकी हुई हैं, क्योंकि इसमें सरकार की प्राथमिकताओं और अगले कुछ महीनों के कामकाज का खाका साफ हो सकता है। सभी मंत्री अपनी-अपनी जिम्मेदारियों और विभागीय योजनाओं का प्रारंभिक रोडमैप भी प्रस्तुत करेंगे।

सभी 14 मंत्री होंगे शामिल

इसमें सभी 14 मंत्री शामिल होंगे। कैबिनेट की पिछली बैठक 19 अगस्त को हुई थी, जिसमें सीमित एजेंडे पर चर्चा हुई थी। जबकि अब मंत्रिमंडल का विस्तार हो चुका है, ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस बैठक में कई अहम नीतिगत फैसले लिए जा सकते हैं।

MP के CM बोले- हरसंभव मदद करेंगे

मध्यप्रदेश सरकार ने छत्तीसगढ़ के लिए 5 करोड़ की राशि और आवश्यक राहत सामग्री भेजी है। राहत सामग्री को ट्रेन के जरिए भेजी जा गई है जो बस्तर के लोगों में वितरित किया जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि, दंतेवाड़ा और आसपास के इलाकों में बाढ़ से भारी तबाही हुई है। ऐसे में हमारा कर्तव्य है कि छत्तीसगढ़ के नागरिकों की सहायता करें। उन्होंने कहा हमारी कोशिश है कि आपदा की इस घड़ी में त्वरित राहत पहुंचाकर लोगों को संबल दें। भविष्य में आवश्यकता पड़ी तो और भी मदद करेंगे। मध्यप्रदेश सदैव छत्तीसगढ़ के साथ खड़ा रहेगा। यादव ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सभी राज्य सरकारें समन्वय और सहानुभूति के साथ काम करें यही समय की मांग है।

सीएम साय ने जताया आभार

राहत सामग्री और आर्थिक सहायता को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मध्यप्रदेश सरकार और CM मोहन यादव का आभार जताया। उन्होंने कहा कि, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ न केवल पड़ोसी राज्य हैं बल्कि आत्मीय बंधन से जुड़े परिवार की तरह हैं। आपदा की घड़ी में यह सहयोग निश्चित ही हमारे प्रभावित जनों को संबल प्रदान करेगा।

जगदलपुर सर्किट-हाउस में दरवाजा नहीं खोलने पर मंत्री ने पीटा

कर्मचारी का आरोप-मंत्री कश्यप ने जूता उठाया, 3 थप्पड़ मारे

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन, जलवायु परिवर्तन और परिवहन मंत्री केदार कश्यप पर मारपीट करने का आरोप लगा है। जगदलपुर सर्किट हाउस के संविदा कर्मचारी खितेंद्र पांडेय ने कहा कि, मंत्री कश्यप ने जूता उठाया, मां-बहन की गालियां दी और कॉलर पकड़कर मुझे 2-3 थप्पड़ मारे। पीड़ित खितेंद्र पांडेय ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। खितेंद्र ने बताया कि शनिवार शाम नाश्ता बनाने के दौरान मंत्री के सुरक्षाकर्मी मुझे बुलाकर कमरे में ले गए। मंत्री ने कमरे का ताला समय पर नहीं खोलने की बात पर नाराज होकर मारपीट की। वहीं, कांग्रेस ने मंत्री से इस्तीफा मांगा है।

पीड़ित कर्मचारी का आरोप

शिकायतकर्ता खितेंद्र पांडेय का कहना है कि, '20 साल से सर्किट हाउस में काम कर रहा हूं, लेकिन इस तरह का व्यवहार उन्हें पहली बार सहना पड़ा। मैं मंत्री जी का नाश्ता बना रहा था। इस दौरान उनका पीएसओ बुलाने आया। पीएसओ के बुलाने पर मैं पहुंचा। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि तुमने कमरा क्यों नहीं खोला? अचानक जूता हाथ में उठा लिया। जूता उठाते ही मां-बहन गालियां दी। कॉलर पकड़कर थप्पड़ मारे। पीए ने मुझे छुड़वाया और अपने साथ ले गया। मैं लकवा पेशेंट हूं। कमरा नहीं खुलने पर उन्होंने मारा।'

कांग्रेस ने मांगा इस्तीफा, बैज बोले

इस मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के साथ मंत्री का व्यवहार बेहद शर्मनाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि केदार कश्यप ने अपने पिता बलिराम कश्यप की छवि तक की परवाह नहीं की। यह उनका दंभ और अहंकार दिखाता है।

मंत्री केदार बोले- ऐसा कुछ हुआ ही नहीं

वहीं इन आरोपों पर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस मुद्दा विहीन है। कांग्रेस के पास केवल भ्रामक प्रचार करने का काम बच गया है। जिस तरह की घटना की बात कहीं जा रही है ऐसा कुछ हुआ ही नहीं है।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष ने धमतरी में किया रोड शो

शहर सत्ता/रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा का धमतरी में पहला दौरा हुआ। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी और पुष्प वर्षा के साथ उनका स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने सबसे पहले बिलाई माता के दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में छत्तीसगढ़ और देश की खुशहाली के साथ संगठन की मजबूती की कामना की। इसके बाद उन्होंने शहर में रोड शो किया।

टिकरिहा ने कार्यकारिणी गठन को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि नई कार्यकारिणी में उन युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्होंने पार्टी के लिए संघर्ष किया है। जिन कार्यकर्ताओं पर एफआईआर दर्ज हुई है या जो जेल गए हैं, उन्हें विशेष स्थान मिलेगा। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि कार्यकारिणी की घोषणा छत्तीसगढ़ के सभी जिलों का दौरा पूरा होने के बाद की जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्यकारिणी में उम्र का भी ध्यान रखा जाएगा। साथ ही ग्राउंड लेवल पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को भी जगह दी जाएगी।

- **बोले-नई कार्यकारिणी में युवाओं को दी जाएगी प्राथमिकता**

मनरेगा को बंद करने की साजिश कर रही है भाजपा

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आरोप लगाया है कि केंद्र और राज्य सरकार मनरेगा बंद करना चाह रही है। उन्होंने बयान जारी कर कहा कि मनरेगा लागू हुए 20 साल पूरे हो चुके हैं। यूपीए सरकार ने मनरेगा के रूप में रोजगार को कानूनी गारंटी दी थी। लेकिन केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की साय सरकार मनरेगा बंद करने की साजिश रच रही है। प्रदेश के 70 प्रतिशत से अधिक गांव में मनरेगा के तहत काम बंद है। ऐसा कर सरकार राज्य के गरीब आदमी को रोजगार नहीं देना चाहती है। ग्रामीण मजदूरों के सामने रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है। लोग मजबूरी में काम की तलाश में पलायन कर रहे हैं। सरकार से ये मांग है कि बताएं कि प्रदेश में कितने स्थानों पर मनरेगा के तहत काम चल रहा है। पिछले 20 माह में प्रदेश के में मनरेगा के तहत दिए गए रोजगार की सूची जारी करे।

महंत के 'चमचे' वाले बयान की पायलट से होगी शिकायत

गुटबाजी पर कांग्रेसियों से करेंगे चर्चा, 'वोट चोर, गद्दी छोड़' आंदोलन में आएंगे

शहर सत्ता/रायपुर। पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे के बयान पर मचे बवाल के बीच नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के "चमचे" वाले बयान ने खींचतान को और गहरा कर दिया है। इन विवादों को लेकर कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी प्रभारी महासचिव पायलट के सामने अपनी-अपनी शिकायतें रखने की तैयारी में हैं। आरोप यह भी है कि संगठन में कार्रवाई एकतरफा ढंग से की जा रही है। ऐसे में पायलट की मौजूदगी में असंतोष खुलकर सामने आने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ राज्यव्यापी 'वोट चोर, गद्दी छोड़' आंदोलन की तैयारी तेज कर दी है। 9 सितंबर को बिलासपुर से बड़े आंदोलन और रैली की शुरुआत होगी। इस आंदोलन में कांग्रेस के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट भी शामिल होंगे। उनके दौरे से एक ओर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह है, जबकि दूसरी ओर पार्टी की अंदरूनी सियासत गरमाने के आसार हैं। दरअसल, हाल के दिनों में कांग्रेस नेताओं के बीच बयानबाजी और अनुशासनात्मक विवाद ने संगठन की मुश्किलें बढ़ा दी है। हालांकि, संगठनात्मक तैयारियों को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। एआईसीसी ने इस आंदोलन का कार्यक्रम पहले 22 अगस्त से 7 सितंबर तक निर्धारित किया था, लेकिन राज्य में इसकी गति धीमी रही। अब बिलासपुर से इसकी औपचारिक शुरुआत कर जोर-शोर से आगे बढ़ाने की रणनीति बनाई जा रही है।

सभी दिग्गज होंगे एक मंच पर

एआईसीसी के निर्देश पर चल रहे इस आंदोलन के दौरान कांग्रेस के सभी दिग्गज नेताओं के एक मंच पर नजर आने की उम्मीद है। बिलासपुर में होने वाले राज्यस्तरीय कार्यक्रम के बाद राजधानी रायपुर समेत सभी जिला मुख्यालयों और प्रमुख शहरों में रैलियां आयोजित की जाएंगी। कांग्रेस इसे भाजपा सरकार की नीतियों और चुनाव में "वोट चोरी" के आरोपों के खिलाफ बड़ा जनआंदोलन बनाने की कोशिश में है।

महंत के बयान से सब खफा

इसी बीच कांग्रेस भवन में बैठक आयोजित हुई। बैठक में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के सामने कांग्रेस जिलाध्यक्ष के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। महंत ने कहा कि, चमचों को जिलाध्यक्ष नियंत्रण में रखे ये सीएम और प्रदेश अध्यक्ष बना रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष महंत के इस बयान पर बीजेपी ने आड़े हाथ लिया। कांग्रेस के कुछ नेता भी नाराज हो गए। इन सब नाराजगी को छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट से मुलाकात के दौरान शिकायत करने की तैयारी कर रहे हैं।

रोबोटिक सर्जरी छत्तीसगढ़ में चिकित्सा क्षेत्र में एक नया आयाम : मुख्यमंत्री

एम्स रायपुर में 'देव हस्त' रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम का सीएम ने किया शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित टाटीबंध में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मध्य भारत के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों के प्रथम रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम 'देव हस्त' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि "रोबोटिक सर्जरी छत्तीसगढ़ में चिकित्सा सुविधाओं के विकास में एक नया आयाम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रदेश की जनता को अत्याधुनिक और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।" मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वयं 'देव हस्त' पर पहला ड्राई लैब डिसेक्शन कर इस अत्याधुनिक तकनीक की औपचारिक शुरुआत की। यह सिस्टम मध्य भारत के किसी शासकीय स्वास्थ्य संस्थान में स्थापित होने वाला पहला रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर एम्स रायपुर में छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से भर्ती होने वाले मरीजों के परिजनों के ठहरने की सुविधा हेतु एम्स रायपुर में सर्व-सुविधायुक्त परिजन निवास निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि "डॉक्टरों को धरती पर भगवान का रूप माना जाता है क्योंकि वे हमें जीवन प्रदान करते हैं। आज जिस रोबोटिक सर्जरी सिस्टम का शुभारंभ हो रहा है, उसे 'देव हस्त' नाम दिया गया है। इसका लाभ न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि एम्स रायपुर में भर्ती होने वाले अन्य राज्यों के मरीजों को भी मिलेगा। एम्स रायपुर उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में लगातार मील का पत्थर साबित हो रहा है।" मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एम्स रायपुर से मुझे विशेष लगाव है। उन्होंने कहा कि "जब रायपुर एम्स के निर्माण को स्वीकृति मिली, उस समय मैं सांसद था और प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी से छत्तीसगढ़ में एम्स की शाखा स्थापित करने का आग्रह किया था। यह आवश्यक था ताकि दिल्ली स्थित एकमात्र एम्स पर मरीजों का दबाव कम हो और अन्य राज्यों के लोगों को भी उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उनके राज्य में ही उपलब्ध हो। हमारा सौभाग्य है कि जिन छह राज्यों में एम्स स्थापित करने की स्वीकृति मिली, उनमें छत्तीसगढ़ भी शामिल था।"

मुख्यमंत्री श्री साय ने परिजन निवास की घोषणा करते हुए कहा कि "दूर-दराज से आने वाले मरीजों के परिजनों के ठहरने की सुविधा कितनी आवश्यक है, यह मैं भली-भांति समझता हूं। सांसद रहते हुए दिल्ली स्थित मेरे आवास को लोग 'मिनी एम्स' कहते थे क्योंकि वहां मैं मरीजों के परिजनों की रुकने की व्यवस्था करता था। जनसेवा का यह कार्य मेरे दिल के बेहद करीब है। 2014 से 2019 के संसदीय कार्यकाल में मैंने लगभग 12 करोड़ रुपये प्रधानमंत्री राहत कोष से मरीजों को दिलवाए थे।

ग्रामोद्योग से गाँव-गाँव में रोजगार का होगा विस्तार

रायपुर। ग्रामोद्योग, स्कूल शिक्षा एवं विधि विधायी विभाग के मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने आज यहां न्यू सर्किट हाउस रायपुर के कॉन्फ्रेंस हॉल में ग्रामोद्योग विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभाग के अंतर्गत रेशम, हथकरघा, खादी, हस्तशिल्प एवं माटीकला बोर्ड की कार्यप्रगति का विस्तार से आकलन किया गया। मंत्री श्री यादव ने बताया कि राज्य में लगभग 3.15 लाख हितग्राही ग्रामोद्योग के विभिन्न कुटीर उद्योगों से रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिलों और विकासखंडों में रीपा (RIPA) भवनों में ग्रामोद्योग की गतिविधियाँ संचालित कर अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। बैठक में निर्णय लिया गया कि दोना-पत्तल, कांसा, गोबर से जैविक खाद, पपीता से गुलकंद, फर्नीचर जैसे छोटे उद्योगों की स्थापना कर हितग्राहियों को वित्तीय सहायता दी जाएगी, जिससे नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके अलावा राज्य शासन ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि शासकीय विभागों में केवल राज्य के बुनकरों और कारीगरों द्वारा निर्मित सामग्री की ही आपूर्ति हो। साथ ही रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में शिल्प ग्राम एवं शिल्प नगरी के निर्माण की कार्ययोजना बनाई जाएगी, ताकि कारीगरों को बेहतर विपणन सुविधा मिले और राज्य की शिल्पकला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जा सके।

बलौदाबाजार जिले के किसान ऑयल पाम की खेती की ओर अग्रसर

रायपुर। भारत सरकार द्वारा तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु नेशनल मिशन ऑन एडीबल ऑयल पाम संचालित किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत बलौदाबाजार भाटापारा जिले में किसानों को ऑयल पाम की खेती हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप जिले के कृषकों में इस नई फसल को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। अब तक विकासखंड सिमगा के ग्राम जरौद में 2 हेक्टेयर एवं भाटापारा के ग्राम बिजराडीह में 6 हेक्टेयर, कुल 8 हेक्टेयर क्षेत्र में ऑयल पाम पौधों का रोपण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। योजना के अंतर्गत कृषकों को प्रति हेक्टेयर 143 ऑयल पाम पौधों पर 29,000 रुपये की अनुदान राशि दिए जाने का प्रावधान है। पौधों के रखरखाव, खाद-उर्वरक, थाला निर्माण आदि हेतु प्रथम वर्ष से चौथे वर्ष तक 5,250 रुपये प्रतिवर्ष प्रति हेक्टेयर सहायता राशि दी जाएगी। इसके अतिरिक्त राज्य शासन द्वारा 2,625 रुपये प्रति हेक्टेयर टॉप-अप सहायता राशि भी प्रदान की जाएगी। अंतरवर्ती फसल हेतु प्रथम से चौथे वर्ष तक अधिकतम 22,375 रुपये प्रति हेक्टेयर अनुदान राज्य शासन द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। सिंचाई सुविधा हेतु न्यूनतम 2 हेक्टेयर क्षेत्र में ऑयल पाम की खेती करने वाले कृषक को एक बोरवेल हेतु 50,000 रुपये तथा प्रति हेक्टेयर अधिकतम 25,000 रुपये प्रति यूनिट की अनुदान सहायता दी जाएगी। पम्पसेट हेतु 27,000 रुपये तथा प्रति हेक्टेयर 16,500 रुपये, फेंसिंग हेतु सीमेंट पोल एवं चौनलिंक पर 1,08,970 रुपये प्रति हेक्टेयर अनुदान दिया जा रहा है।

गजमार पहाड़ी बनेगा इको पार्क

वित्त मंत्री ने किए 8 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि पूजन

रायपुर। रायगढ़ जिले की ऐतिहासिक और आस्था से जुड़ी गजमार पहाड़ी अब आधुनिक स्वरूप में इको पार्क और इको-टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित होगी। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज 08 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का भूमि पूजन कर परियोजना की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने पूजा-अर्चना कर पवनपुत्र हनुमान जी से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

परियोजना के तहत गजमार पहाड़ी पर योग प्लेटफॉर्म, वॉच टॉवर, पाँच पगोड़ा, बच्चों के लिए खेल परिसर, कैंटीन और इको पार्क जैसी सुविधाएँ विकसित की जाएंगी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि यह केवल धार्मिक स्थल का जीर्णोद्धार नहीं, बल्कि रायगढ़ के सांस्कृतिक, सामाजिक और पर्यटन विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि गजमार पहाड़ी रायगढ़ की शान है और इसका विकास शहर को पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, रोजगार और पर्यटन जैसे क्षेत्रों के माध्यम से आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकें। उन्होंने युवाओं को नवगुरुकुल योजना का लाभ उठाने की अपील की, जिसके तहत छात्राएं दो वर्षीय प्रशिक्षण लेकर कौशल विकास कर बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकेंगी।

महासमुंद के पैरा एथलीट्स ने राष्ट्रीय स्तर पर जीते 5 पदक

रायपुर। ग्वालियर स्थित अटल बिहारी वाजपेई दिव्यांग खेल प्रशिक्षण केंद्र में 29 से 31 अगस्त तक आयोजित 14वीं जूनियर एवं सब-जूनियर नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महासमुंद जिले के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए शानदार प्रदर्शन किया। समाज कल्याण विभाग से मान्यता प्राप्त संस्था फॉर्च्यून फाउंडेशन कर्मापटपर, बागबाहरा के पाँच खिलाड़ियों ने कुल पाँच पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया। जूनियर पुरुष वर्ग की टी-11 कैटेगरी में सुखदेव ने 400 मीटर और 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल कर सबका ध्यान खींचा। वहीं, टी-12 कैटेगरी में निखिल कुमार यादव ने 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर जिले को गौरवान्वित किया। इसी प्रतियोगिता में सब-जूनियर महिला वर्ग की टी-12 कैटेगरी में नीलम टंडन ने 400 मीटर दौड़ में रजत पदक प्राप्त किया।

बेटियों और किसानों की प्रगति ही राज्य की असली ताकत : खाद्य मंत्री बघेल

रजत महोत्सव में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के मौके पर बेमेतरा जिले में रजत महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज नवागढ़ विकासखण्ड के हाई स्कूल मैदान में रजत महोत्सव का आयोजन किया गया। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल इसमें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में छात्राओं को नोनी सुरक्षा योजना और सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत पासबुक और समरसता प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने किसानों को बैटरी संचालित स्प्रे पंप भी प्रदान किए।

सांस्कृतिक प्रस्तुति "पुरखा के सुरता" से रजत महोत्सव की शुरूआत हुई। इसमें छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, गीत-संगीत और परंपराओं को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया। "हमर संस्कृति हमर विरासत" की थीम पर आयोजित प्रस्तुतियों ने लोगों को राज्य की सांस्कृतिक धरोहरों से रू-ब-रू कराया। रजत महोत्सव में आयोजित छत्तीसगढ़ फूड फेस्टिवल में पारंपरिक व्यंजनों को प्रदर्शित किया गया। आयोजन में मौजूद जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने विभिन्न प्रकार के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया। कार्यक्रम स्थल में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में लोगों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में ग्रामीणों और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच की गई।

खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने रजत महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि रजत महोत्सव हमारे राज्य की गौरवशाली यात्रा का उत्सव है। बीते 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा और आधारभूत संरचना में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज राज्य न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से, बल्कि आर्थिक और सामाजिक रूप से भी मजबूत बन रहा है। इस प्रगति का श्रेय हमारे किसानों, श्रमिकों, महिलाओं और युवाओं को जाता है। सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि हर बेटी सुरक्षित और शिक्षित हो, हर किसान समृद्ध हो और हर नागरिक को योजनाओं का लाभ समय पर मिले।

लो वोल्टेज की समस्या दूर करने गांव में लगेंगे 102 ट्रांसफार्मर

जशपुरनगर। ट्रांसफार्मर की कमी जशपुर जिले में विद्युत व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या थी। गांव में ट्रांसफार्मर बिगड़ जाने से उसे बदलना मुश्किल हो जाया करता था। खासकर ग्रामीण इलाकों में ट्रांसफार्मर ना लगने लो वोल्टेज की समस्या की शिकायते भी मिल रही थी। इस समस्या से जिले को मुक्ति दिलाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जिले में ट्रांसफार्मर की उपलब्धता सुनिश्चित की। जिले में विद्युत वितरण व्यवस्था को सुदृढ करने ले लिए बीते 21 माह में 102 नए ट्रांसफार्मर स्थापित किये गए हैं। विभाग के अधीक्षण अभियंता केव्ही मैथ्यू ने बताया कि ग्रामीण अंचल में सर्वे का काम जारी है। सर्वे में जहां भी ट्रांसफार्मर की आवश्यकता मिल रही है वहाँ तत्काल ट्रांसफार्मर लगाया जा रहा है। 21 माह के दौरान जिले के ग्रामीण अंचल में विद्युत वितरण व्यवस्था में आए इस क्रांतिकारी बदलाव से लोगों के जीवन में सुखद हो गईं है।

एक्टर के साथ टीचर रह चुके हैं ये सेलेब्रिटी

गुरु हमारी जिंदगी में अहम रोल अदा करते हैं. आपकी जिंदगी का ये गुरु कोई भी हो सकता है. मां, पापा, भाई, बहन, दोस्त, अजनबी या फिर आपका बॉस. हमारे आस-पास मौजूद लोग हमें हमेशा कुछ ना कुछ सीख देते रहते हैं. बॉलीवुड सेलेब्स के चाहने वाले ये जानकर सरप्राइज होंगे कि इंडस्ट्री के कुछ हीरो-हीरोइन टीचर और प्रोफेसर हुआ करते थे. कुछ आज भी अपनी कला बांटते हैं, तो वहीं कुछ अब दुनिया में नहीं हैं. आइए टीचर्स डे के मौके पर मिलते हैं उन सेलिब्रिटी गुरुओं से जिन्होंने अपनी एक्टिंग से हमारे दिलों में खास जगह बनाई.

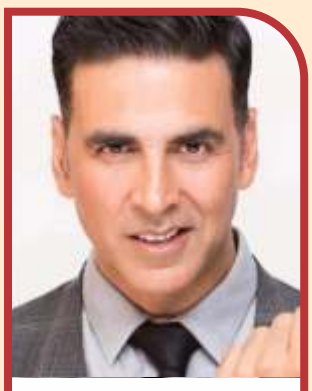

अक्षय कुमार एक्टिंग के साथ-साथ मार्शल आर्ट्स में भी उस्ताद हैं. उन्होंने विदेश से मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग ली थी. मुंबई आकर उन्होंने इसका स्कूल खोला और स्टूडेंट्स को मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग देने लगे.

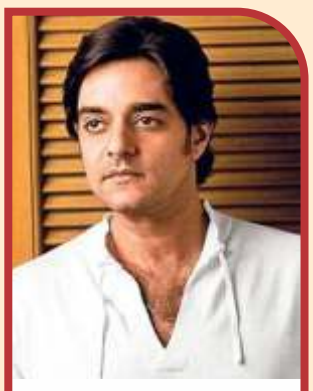

'जोश', 'माचिस' और 'क्या कहना' जैसी फिल्मों में काम कर चुके चंद्रचूड़ सिंह एक्टिंग फील्ड में कमाल दिखाने से पहले म्यूजिक टीचर हुआ करते थे. वो जितने अच्छे एक्टर हैं, उतने ही अच्छे सिंगर भी हैं.

एक्ट्रेस-डायरेक्टर नंदिता दास एक टीचर भी रही हैं. एक्ट्रेस का ऋषि वैली नामक स्कूल है, जहां वो स्टूडेंट्स को पढ़ाती हैं.

उत्पल दत्त हिंदी सिनेमा के महान कलाकारों में से एक थे. उन्होंने 'शौकीन', 'रंग बिरंगी' और 'नरम गरम' और 'गोलमाल' जैसी मूवीज में काम किया था. हीरो होने के साथ-साथ वो एक शिक्षक भी थे. वो कोलकाता के

'महाभारत' सीरियल में शकुनी मामा के रोल के लिए प्रसिद्ध गूफी पेंटल एक्टर होने के साथ एक्टिंग टीचर भी थे. वो फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया में बतौर हेड कार्यरत थे और वहां आने वाले स्टूडेंट्स को एक्टिंग सिखाते थे.

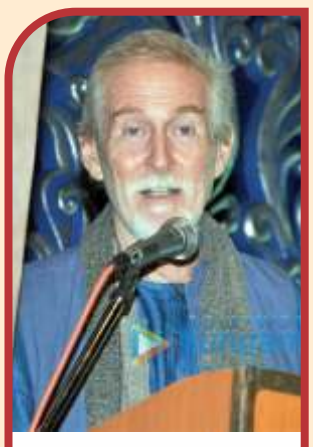

कई मूवीज में अपनी एक्टिंग का जौहर मनवाने वाले टॉम ऑल्टर हरियाणा के सेंट थॉमस स्कूल में बतौर क्रिकेट कोच काम करते थे.

'द कन्ज्यूरिंग' ने कमाई में हिंदी फिल्मों को पछाड़ा

'द कन्ज्यूरिंग' यूनिवर्स में इस फ्रेंचाइजी की चौथी और आखिरी फिल्म 'द कन्ज्यूरिंग लास्ट राइट्स' को 5 सितंबर के दिन सिनेमाहॉल में उतारा गया. इसके साथ ही, दिल मद्रासी, बागी 4 और द बंगाल फाइल्स जैसी फिल्में भी रिलीज की गईं. जब एक साथ इतनी सारी और बड़ी इंडियन फिल्में रिलीज की गई हों, तो ये यकीन करना मुश्किल होता है कि कोई विदेशी फिल्म सभी को मात देते हुए बॉक्स ऑफिस पर राज कर सकती है. लेकिन ऐसा हुआ है और इस हॉरर फिल्म ने सभी को मात देते हुए न सिर्फ इस हफ्ते सबसे बड़ी ओपनिंग ली बल्कि दूसरे दिन भी फिल्म सब पर हावी हो गई. यकीन न हो तो डेटा देख लीजिए.

फिल्म ने पहले दिन सभी भाषाओं में मिलाकर कुल 17.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. दूसरे दिन 10:50 बजे तक फिल्म की कमाई 17.50 करोड़ रुपये हो चुकी है. टोटल कलेक्शन की बात करें तो ये 35 करोड़ रुपये हो चुका है. बता दें कि ये आंकड़े सैक्निल्क के मुताबिक हैं और फाइनल नहीं हैं. इनमें बदलाव हो सकता है.

पैट्रिक विल्सन की फिल्म 'द कन्ज्यूरिंग लास्ट राइट्स' ने न सिर्फ इस साल रिलीज हुई बॉलीवुड फिल्मों को मात दी है बल्कि कई बड़ी हॉलीवुड फिल्मों को भी पीछे छोड़ दिया है. फिल्म पहले ही दिन 'मिशन इंपॉसिबल द फाइनल रेकनिंग' के उस रिकॉर्ड को पीछे कर चुकी है जो उसने 2025 में बनाया.इस फिल्म के नाम इंडिया में साल 2025 में सबसे बड़ी ओपनिंग (16.5 करोड़) लेने वाली फिल्म का रिकॉर्ड था, जो टूट गया है. इसके साथ ही, फिल्म ने दूसरे ही दिन इस साल रिलीज हुई और इंडिया में टॉप कमाई करने वाली 10 हॉलीवुड फिल्मों की लिस्ट में से 5 को पीछे धकेल दिया है. फिल्म ने नीचे दी गई फिल्मों की इंडिया में लाइफटाइम कमाई पार कर ली है.

टोरंटो फिल्म फेस्टिवल बॉबी और सान्या की फिल्म 'बंदर' का जलवा

टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म "बंदर" ने तहलका मचा दिया है. फिल्म को सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखा है और इसमें बॉबी देओल और सान्या मल्होत्रा ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं. इस साल टीआईएफएफ में इस फिल्म को अनुराग कश्यप की सबसे तीखी और विवादास्पद फिल्म बताया गया है. टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में "बंदर" ने ना केवल अपने संदेश से दर्शकों को असहज किया, बल्कि विशेष रूप से पुरुषों के प्रति कानून के निष्पक्ष व्यवहार पर भी सवाल उठाए. फिल्म में बॉबी देओल को एक ऐसे अवतार में दिखाया गया है जो आपने पहले कभी नहीं देखा गया।

'बिग बॉस 19' में हुई पहली वाइल्ड कार्ड एंट्री!

टीवी का सबसे फेमस कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस का 19वां सीजन ट्विस्ट से भरा हुआ है. हर एपिसोड में कुछ न कुछ नया देखने को मिल रहा है. वहीं इस बीच मेकर्स ने एक और बड़ा दांव खेला है. रिपोर्ट्स के मुताबिक शो में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट की एंट्री हो चुकी है और उसने घर में एंट्री करते ही खेल दिखाना शुरू कर दिया है. दरअसल, लाइव फीड बिग बॉस अपडेट की रिपोर्ट की मानें तो शहनाज गिल के भाई शहबाज बदेशा की वाइल्ड कार्ड से एंट्री हो गई है. शहबाज बदेशा की एंट्री से फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई है.

सीक्रेट रूम में मौजूद शहबाज!

जिन्हें नहीं पता उनके लिए बता दें कि शहबाज इससे पहले बिग बॉस 13 में नजर आ चुके हैं. न सिर्फ सलमान खान भी उन्हें काफी अच्छे से जानते हैं बल्कि वो उन्हें पसंद भी करते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक शहबाज इस समय सीक्रेट रूम में हैं, और वीकेंड पर घर में एंट्री ले सकते हैं. वहीं बिग बॉस 19 में शहबाज बदेशा ने एंट्री करते ही अपना खेल दिखाना शुरू भी कर दिया. शहबाज ने फरहाना भट्ट और बसीर अली पर तंज कसा है. उन्होंने कहा,'पहले दो दिन दोनों ने जमकर लड़ाई की और फिर एकदम से दोस्ती और प्यार शुरू हो गया।

'कोई गलत इरादा नहीं था', विवाद के बाद पवन सिंह ने मांगी माफी

भोजपुरी एक्टर पवन सिंह इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हैं. पवन सिंह का एक वीडियो वायरल हुआ था. 27 अगस्त को पवन सिंह और अंजलि राघव का भोजपुरी गाना 'सइयां सेवा करे' रिलीज हुआ. इस गाने के प्रमोशन के लिए दोनों लखनऊ पहुंचे थे. जहां इवेंट में पवन सिंह स्टेज पर अंजलि राघव की कमर पर हाथ लगाते नजर आए थे. इस दौरान अंजलि अनकंफर्टेबल दिखीं. वीडियो के सामने आने के बाद लोगों ने पवन सिंह को जमकर सुनाया. हालांकि ऐसे में अब पवन सिंह ने अंजलि से माफी मांगी है. पवन सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर कर एक्ट्रेस अंजलि राघव से माफी मांगते हुए पवन ने लिखा, 'अंजलि जी व्यस्त शेड्यूल के कारण मैं आपका लाइव देख नहीं पाया, मुझे जब इस बात की जानकारी हुई, तो मुझे बुरा लगा. मेरा आपके प्रति कोई भी गलत इंटेशन नहीं था, क्योंकि हम लोग कलाकार हैं, इसके बावजूद अगर आपको हमारे किसी भी व्यवहार से तकलीफ हुई हो तो उसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूं.'

SIIMA Awards : अल्लू बेस्ट एक्टर, रश्मिका बेस्ट एक्ट्रेस

दुबई में शनिवार को साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवार्ड्स 2025 (SIIMA) का आयोजन किया गया. जिसमें तमिल और मलयालम फिल्म उद्योग की मशहूर हस्तियों को सम्मानित किया गया. तमिल फिल्मों में 'अमरन', 'महाराजा' और 'लुब्बर पंधु' ने बड़ी जीत हासिल की. वहीं मलयालम में 'द गोट लाइफ' और 'एआरएम' ने बड़े अवॉर्ड जीते. इसमें साई पल्लवी और एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन को अभिनय सम्मान से नवाजा गया. SIIMA अवॉर्ड्स में अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2', प्रभास और अमिताभ बच्चन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' का जलवा देखने को मिला.

अल्लू अर्जुन 'पुष्पा 2' के लिए बेस्ट एक्टर बने, तो रश्मिका मंदाना को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला. वहीं साई पल्लवी और एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन ने अभिनय सम्मान जीता. नीचे देखिए बाकी किसने अवॉर्ड अपने नाम किया.

SIIMA Awards 2025 के बाकी विनर्स की लिस्ट

बेस्ट फिल्म - कल्कि 2898 एडी
बेस्ट निर्देशक - सुकुमार (पुष्पा 2: द रूल)
बेस्ट अभिनेता - अल्लू अर्जुन (पुष्पा 2: द रूल)
बेस्ट अभिनेत्री - रश्मिका मंदाना (पुष्पा 2: द रूल)
बेस्ट निर्देशक (क्रिटिक्स) - प्रशांत वर्मा (हनुमान)
बेस्ट अभिनेता (क्रिटिक्स) - तेजा सज्जा (हनुमान)
बेस्ट अभिनेत्री (क्रिटिक्स) - मीनाक्षी चौधरी (लकी बास्कर)
बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर - अमिताभ बच्चन (कल्कि 2898 एडी)
बेस्ट सपोर्टिंग अभिनेत्री - अन्ना बेन (कल्कि 2898 एडी)
बेस्ट संगीतकार - देवी श्री प्रसाद (पुष्पा 2: द रूल)
बेस्ट बेस्ट गायक - शंकर बाबू कंदुकुरी (फीलिंग्स - पुष्पा 2: द रूल)
बेस्ट गायिका - शिल्पा राव (चुट्टमल्ले - देवरा)
बेस्ट विलेन - कमल हासन (कल्कि 2898 एडी)
बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस - पंखुड़ी गिडवानी (लव मौली), भाग्यश्री बोरसे (मिस्टर बच्चन)
बेस्ट डेब्यू एक्टर - संदीप सरोज (समिति कुरोलु)
बेस्ट डेब्यू निर्देशक - नंद किशोर येमानी (35 ओका चिन्ना कथा)
सिनेमैटोग्राफर - रत्नावेलु (देवरा)

बड़े डोंगर में नल और नाग युगीन गणेशजी की प्रतिमाएं

घनश्याम सिंह नाग

बस्तर की प्राचीन राजधानी बड़े डोंगर में गणेशजी की प्रस्तर प्रतिमाएं यत्र तत्र बिखरी पड़ी हैं। इनमें से कई प्रतिमाओं को तराश कर सुघड़ बनाया गया है जो नल और नाग युगीन हो सकते हैं। इन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक स्थानांतरण किया जा सकता है। इस क्षेत्र के गौरी बेड़ा घने जंगल के अंदर विशाल पत्थर पर गणेशजी की अनगढ़ प्रतिमा उकेरी गई हैं।

इस क्षेत्र के ताल गुंडरा के पत्थरों के बीच एक बड़े पत्थर पर गणेशजी की प्रतिमा उकेरी गई हैं। इसी क्षेत्र के बेल भाटा पर एक बड़े पत्थर पर गणेशजी की प्रतिमा उकेरी गई हैं। बूढ़ा सागर से सिंचाई विभाग द्वारा एक नहर नाली बनाई गई है। इस नाली के समीप गणेश जी की प्राचीन प्रस्तर प्रतिमा रखी हुई हैं। नाली निर्माण के दौरान खुदाई में कई प्रस्तर प्रतिमाएं मिली हैं। पातर पारा में भंगाराम माई मंदिर से कुछ दूरी पर एक आकर्षक गणेश प्रतिमा है। बड़े डोंगर के मुख्य दंतेश्वरी मंदिर में प्रवेश करते ही प्रथम कक्ष में पहले गणेशजी के ही दर्शन होते हैं। यहां पुरातात्विक महत्व की तीन प्रतिमाएं द्वार के दोनों ओर दीवार के आले पर रखी हुई हैं। इस मंदिर में प्रतिदिन पूजा होती है। बालाजी मंदिर के बाहर भी गणेश जी की अनेक प्रतिमाएं रखी हुई हैं। नवरात्रि के अवसर पर ही यहां गणेश जी पूजे जाते हैं। बड़े डोंगर में दर्जन भर से अधिक गणेश प्रतिमाएं यत्र तत्र बिखरी पड़ी हैं। इनमें से कुछ ही प्रतिमाओं की पूछ परख होती है, वह भी संयोगवश। अधिकांश गणेश प्रतिमाएं लगभग उपेक्षित हैं। इसी तरह महादेव डोंगरी, भैंसादोद डोंगरी, महिषाद्वंद्व पहाड़ी पर कई खंडित मूर्तियां बिखरी पड़ी हुई हैं।

समाजसेवी के रूप में जाने गए ठाकुर नरेंद्र प्रताप सिंह

विजय शर्मा

छत्तीसगढ़ के कोमाखान में 19 मार्च 1938 को ठाकुर नरेंद्र प्रताप सिंह का जन्म हुआ। जन्म जन्म से ही सादगी पूर्ण जीवन शैली में ही आपने अपना जीवन व्यतीत किया। आपका विवाह 1958 में सारंगढ़ राजा नरेश की नातिन एवं पंडरिया जमींदार गौतम सिंह अनरेरी मजिस्ट्रेट बिलासपुर के पुत्री बाल कुमारी देवी के साथ हुई। आपकी प्रारंभिक शिक्षा कोमाखान इंटरमीडिएट आई एस सी राजकुमार कालेज रायपुर तथा कृषि महाविद्यालय नागपुर में बी एस सी किए। आप 1964 में आई इंटरनेशनल फॉर्म यूथ एक्सचेंज के तहत कृषि प्रशिक्षण के लिए अमेरिका गए। वहां से आप कृषि वैज्ञानिक होकर लौटे। आपने शासन के कई महत्वपूर्ण पद पर अपनी सेवाएं दी। इसके साथ ही बालीवाल, फुटबाल, घुड़सवारी, शतरंज के साथ हॉकी के खिलाड़ी थे। रामायण भजन, साहित्य विज्ञान, हस्त रेखा और अंक ज्योतिष में आपकी विशेष रुचि रही। संगीत में रुचि होने के कारण हारमोनियम, तबला, बांसुरी और पियानो बजाने में माहिर थे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के भोपाल में तीन वर्ष तक निदेशक रहे। 1969 में अविभाजित मप्र के आदिम जाति कल्याण मंत्री हुए। आप अपनी मातृभाषा लारिया में ही बातचीत करते थे। राजकुमार जी सादगी जीवन जीते कोमाखान से करीहीडीह विद्या मंदिर साइकिल से आते जाते थे। 26 जनवरी 1998 को आपकी हृदयाघात से मृत्यु हो गई।

आंचलिक प्रेम की झलक छत्तीसगढ़ी काव्य में

उर्मिला शुक्ल

छत्तीसगढ़ी में लोक परम्परा पर आधारित काव्य की मात्रा प्रचुर है। इसमें छत्तीसगढ़ का किसान है, धान के खेत हैं, बरखा है, अकाल है और छत्तीसगढ़ की प्रिय बासी है। राजनीति के फलक पर छत्तीसगढ़ का अपना अलग अस्तित्व है। यह अलग राज्य के रूप में पहचाना जाए, इसकी चाहत बहुत पहले से थी। समय समय पर छत्तीसगढ़ी काव्य में यह पीड़ा बनकर उभरी, तो कभी विशेषता बन कर। छत्तीसगढ़ राज्य अलग बनने पर अंचल में भाषा एवं संस्कृति की प्रेम की बारिश सी होने लगी। यही कारण है कि विगत वर्षों में छत्तीसगढ़ी को लेकर जितनी कविताएं लिखी गई, उतनी शायद ही कभी लिखी गई होंगी। विद्याभूषण मिश्र के गीत' चिरैया बोले रे' में छत्तीसगढ़ राज्य के आने से सारे दुख दूर होने की आशा झलकती है

तन डारी ले मन के चिरैया बोले रे
नवा राज के नवा अंजोरी घूंघट खोल रे
बांट बांट के अंधियारी ल पीए के दिन आगे
हर परवा छानी ऊपर दया मया लहरागे

इसी क्रम में प्रकाश कश्यप की छत्तीसगढ़ वंदना दानेश्वर शर्मा की छत्तीसगढ़ महतारी वन्दना में अंचल की महिमा का विस्तृत वर्णन है। प्रभंजन शास्त्री का कवि मन छत्तीसगढ़ बनने से विभोर है। इसी क्रम में चेतन आर्य, बिठ्ठल राम, बरसाइत राम महंत, रविशंकर शुक्ल, सनत तिवारी, डॉ संतराम, राजेन्द्र तिवारी, लखनलाल गुप्त जैसे और भी अनेक कवि और लेखक अपनी काव्य रचनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ महतारी का गुणगान कर रहे हैं।

अनेक महत्व का स्थल करबा करबिन टीला

ललित शर्मा

सिरपुर से लगभग 5-6 किलोमीटर दक्षिण में मुख्य मार्ग से आधे लगभग किलोमीटर पर करबीन तालाब है। छत्तीसगढ़ी में थर्ड जेंडर को कहा जाता है। अनुमान है सिरपुर राजधानी में इनके निवास की व्यवस्था आम रिहायशी इलाकों से अलग रही होगी। या इनके निवास स्थान पर तालाब का निर्माण दैनिक क्रियाकलापों हेतु कराया गया होगा जिसके कारण तालाब का नाम करबिन तालाब रखा गया होगा। यहां यह भी अनुमान लगाया जाता है कि यह स्थान सिरपुर राजधानी के मुख्य प्रवेश द्वार सेनकपाट के समीप है तथा इन लोगों को राज्यातिथियों के स्वागत की दृष्टि से बसाया गया होगा। मुख्य मार्ग से इस स्थान तक जाने के लिए मार्ग नहीं है। यहां तक पैदल ही जाना होता है। पूरा इलाका घने जंगलों से युक्त है। इस तालाब में कमल और कुमुदनी के खिले फूल दिखने में आकर्षक लगते हैं। घने जंगलों का स्थान होने के कारण दूर तक देखना कठिन होता है। अधिकतर पर्यटक कठिन स्थान होने के बावजूद भी प्रकृति के इस दृश्य को देखने जोखिम उठाकर पहुंचते रहते हैं।

अंचल में रहस का स्वरूप

डॉ. उग्रसेन कन्नौजे

छत्तीसगढ़ अंचल में दो प्रकार का स्वर्ण और सतनामी रहस प्रचलन में है। दोनों रहस में मूर्तियों का उपयोग होता है। दोनों रहस में नारी पात्र का अभिनय पुरुष पात्र ही करते हैं। रहस लोकगीत और लोकनृत्य प्रधान लोकनाट्य है। इसमें लोक भजनों को ही महत्व दिया जाता है। दोनों वर्गों के रासधारी जिन लोक भजनों का प्रयोग करते हैं उनमें ब्रह्मानंद के भजन, कबीर दास के भजन और सूरदास के भजन प्रमुख हैं। वर्तमान में नए भजनों को भी शामिल कर लिया जाता है। सवर्ण व सतनामी रहस में कृष्ण लीला का आख्यान प्रमुख है किन्तु अनुष्ठान के तौर तरीके में भेद है। स्वर्ण रहस में कदंब वृक्ष की छांव में गणेशजी की मूर्ति स्थापित नहीं की जाती। केवल राधा कृष्ण की मूर्ति स्थापित की जाती है। जबकि सतनामी रहस में गणेश, रिद्धि सिद्धि, राधा कृष्ण की मूर्ति स्थापित की जाती है। स्वर्ण रहस नौ दिनों का होता है। सतनामी रहस दस दिन का होता है। दसवें दिन गणेश मूर्ति के विसर्जन के पश्चात रहस की समाप्ति होती है। स्वर्ण रहसमें ब्राह्मण को और सतनामी रहस में जाति के किसी पढ़े लिखे व्यक्ति को व्यास बनाया जाता है। स्वर्ण रहस में भक्ति की प्रधानता होती है तो सतनामी में भक्ति के साथ लोक रंजन के पक्ष को भी महत्वपूर्ण स्थान मिलता है। इस तरह सदियों पहले छत्तीसगढ़ के अन्य वर्णों को पूजा अर्चना का अधिकार रहस के माध्यम से देकर वर्ण भेद की निरर्थकता का उदघोष कर भरत मुनि के पंचम वेद को लोक कल्याणकारी सिद्ध किया था। रहस छत्तीसगढ़ अंचल में बिलासपुर, रतनपुर, मुंगेली, जांजगीर, भाटापारा और बिल्हा क्षेत्र में प्रचलित है। आजकल लोक नाट्य रहस की प्रस्तुति का बनाए रखना बड़ी चुनौती है। कलाकार और दर्शक दोनों के बीच से रहस विलुप्त होने के कगार पर हैं।

उड़ता पंजाब रायपुर...

ड्रग्स सिंडिकेट का रायपुर पुलिस ने किया खुलासा

एक पूर्व मंत्री और दो विधायकों के बेटों से कनेक्शन

MDMA केस में 5 को जेल, अभी लिस्ट में 100 से ज्यादा

पूछताछ में पुलिस को पुख्ता सबूत लगे हाथ, कार्रवाई धीमी

आईजी और एसएसपी ने कहा नहीं बनने देंगे नशे का हब

एडवांस लेकर होटल, पब, बार या आफ्टर पार्टी में डिलीवरी

राजधानी रायपुर पुलिस के इतिहास में किसी जरायम के खिलाफ की गई कार्रवाई में तारीफ-ए-काबिल कोई पड़ताल है तो वह ड्रग्स सिंडिकेट का राजफाश करना है। रायपुर पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह की इस सफलता के साथ ही उनके लिए एक बड़ी चुनौती भी है। ड्रग्स सिंडिकेट से पूछताछ में पता चला है कि 03 रसूखदार राजनेता परिवार समेत 40 व्हाइट कॉलर और करीब 850 रईसजादे ड्रग्स नेटवर्क के संपर्क में थे। फ़िलहाल छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर को उड़ता पंजाब बनाने की फ़िराक में ड्रग्स सिंडिकेट पर तो पुलिस का अब तक का काम सराहनीय रहा है। लेकिन सभी व्हाइट कॉलर्स को भी अगर पुलिस बेनकाब करने में जरा भी मां और मौसी जैसा भेदभाव करेगी तो निश्चित ही सारे किये धरे में पानी भी फिर जायेगा।

शहर सत्ता/रायपुर। ड्रग्स क्वीन नव्या मलिक, विधि अग्रवाल और उनके साथी हर्ष को शनिवार को कोर्ट पेश किया गया। कोर्ट ने तीनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। तीनों से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। साथ ही रायपुर पुलिस की इस सारी मेहनत पर कुछ विभागीय एजेंट मामले को ले-दे कर रफ़ा-दफा करने में लगे हैं। भाटागांव निवासी एक गिरफ्तार फेक एसआईबी स्टाफ बताने वाले और ड्रग नेटवर्क के संपर्क में जो थे वो कथित लिस्ट से नाम हटवाने कर रहे हैं वसूली। ऐसों की शिनाख्त करना भी महकमे के लिए। आईजी रेंज अमरेश मिश्रा ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि जो भी इस तरह के काम में लिप्त होगा उसे बक्शा नहीं जायेगा। जानकारी के मुताबिक हेरोइन रायपुर में खपाने वाले सुवित श्रीवास्तव के अकाउंट से पुलिस को 600 से ज्यादा ग्राहकों की जानकारी मिली है। इन ग्राहकों के अकाउंट का फ्रीज करवाकर पुलिस आगे की जांच कर रही है। इस तरह चलता था नशे का कारोबार। आरोपियों ने बताया कि, नशे का कारोबार पहले वॉट्सऐप ग्रुप के जरिए चलता था। बाद में केवल परिचित ग्राहकों को ही सप्लाई दी जाती थी। एडवांस लेकर होटल, पब, बार या आफ्टर पार्टी में डिलीवरी की जाती थी। इन पार्टियों में वही लोग शामिल होते थे, जो ऑनलाइन फॉर्म भरकर एंट्री पाते थे।

इन आरोपियों से हुई पूछताछ

पाकिस्तानी ड्रग्स और दिल्ली के MDMA ड्रग्स सप्लाई केस में 2 युवतियां भी शामिल थीं। अब तक गिरफ्तार आरोपियों में पुलिस ने सबसे ज्यादा पूछताछ पंजाब निवासी लवजीत सिंह, रायपुर निवासी रुपिंदर उर्फ पिंदर सिंह उर्फ पाब्लो और रायपुर निवासी नव्या मलिक से की है। लवजीत और रुपिंदर से पुलिस को हेरोइन खरीदने वालों की और नव्या मलिक से MDMA खरीदने वाले रसूखदारों की जानकारी मिली है।

5 दिनों की रिमांड और 30 घंटे की पूछताछ में खुलासा

रायपुर के कटोरा तालाब इलाके की रहने वाली नव्या मलिक को पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार किया था। नव्या की जानकारी पुलिस को MDMA रायपुर में बेचने वाले हर्ष आहूजा, मोनू विश्नोई और दीप धनोरिया ने दी थी। इन तीनों आरोपियों को पुलिस ने 23 अगस्त को देवेंद्र नगर से पकड़ा था। नव्या को गिरफ्तार कर पुलिस ने पांच दिन की रिमांड ली, फिर अलग-अलग समय में 30 घंटे तक पूछताछ की।

03 नेता परिवार समेत 40 व्हाइट कॉलर

नव्या का कनेक्शन एक पूर्व मंत्री, एक विधायक के बेटे और एक विधायक के भतीजे से है। तीनों नव्या के साथ कई फार्महाउस में नाइट पार्टी में शामिल हुए हैं। इन पार्टियों में ड्रग्स भी परोसा गया था। एक नाइट पार्टी का वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें विधायक पुत्र नशा करते हुए दिख रहा है। कॉल डिटेल से लेकर बयान में भी इनका नाम आया है।

पुलिस की पूछताछ में ये भी हुए लिस्टेड

अम्लेश्वर के पेट्रोल पंप कारोबारी से लेकर होटल, क्लब कारोबारी, सराफा, स्टील, स्पंज आयरन कारोबारी के बेटे-बेटियों का नाम भी पूछताछ में सामने आया है। लेकिन पुलिस हाईप्रोफाइल लोगों पर कार्रवाई नहीं कर रही है। मिली जानकारी का अनुसार नव्या एक बड़े शराब कारोबारी और उसके परिवार से जुड़ी है।

विधायक के भतीजे से लाखों का लेनदेन

नव्या ने पूछताछ के दौरान यह कबूल भी किया है। वाट्सएप में चैट भी मिला है। पुलिस ने एक विधायक के भतीजे को हिरासत में लिया था। उससे दो दिनों तक पूछताछ की गई। उसके खाते में अलग-अलग किस्त में 35 लाख का ट्रांजेक्शन मिला है। उनसे नव्या के पीछे 80 लाख खर्च किया है। इसी तरह पेट्रोल पंप कारोबारी अतुल ने भी नव्या के खाते में ट्रांजेक्शन किया है। अतुल का कनेक्शन विधायक पुत्र से है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)।